हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

29 मार्च, 1979

खण्ड 1 अंक 19

अधिकृत विवरण

विशय सूची

वीरवार, 29 मार्च, 1979

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(19)1
अतारांकित प्र न एवं उत्तर	(19)21
ध्यानाकर्शण सूचनाः–	
(1) राश्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की अभिकथित कार्यवाहियों सम्बन्धी	(19)22
2. कृशि उपज की कम कीमतों तथा कृशि इन–पुटस तथा कंज्यूमर गुडज की चढती हुई कीमतो सम्बन्धी	(19)24
3. पंजाब स्टेट री–आग्रेनाइजे ान एक्ट, 1966 के अधीन कारपोरेट बौडिज में हरियाणा के हिस्से संबंधी	(19)24
वाकआउट	(19)28
कमेटी आन दि वैल्फेयर आफ कास्टस एंड ि ाड्यूल्ड ट्राइब्ज की चौथी रिपोर्ट पे ा करना	(19)30
गैर –सरकारी प्रस्ताव	(19)30

1. राज्य में उच्च भारी प्र ाासन में वृद्धि रोकने के लिय आई0ए0एस0 काडर की संख्या में और वृद्धि न करने सम्बन्धी (पुनरारम्भ)	
सभापति द्वारा घोशणा	(19)44
गैर–सरकारी प्रस्ताव (पुनरारम्भ)	
2. मुख्य मंत्री का एम0एल0ए0 फ्लैटस में ि ाफ्ट न करने सम्बन्धी	(19)45
3. राजय में पिछडी श्रेणियों के लिये सरकारी और अर्द्ध–सरकारी सेवाओं ंमें भर्ती के लिये पदो ंके आरक्षण सम्बन्धी	(19)51
4. डी0एस0पोज0 के सिलैक ान ग्रेड के वेतनमान एच0सी0सए0 (ऐग्जैक्टिव) केबराबर लाने तथा सिलैक ान ग्रेड पदों की संख्या बढाने सम्बंधी	(19)52
5. फसलों के लाजमी बीमें के लिय कानून बनाने सम्बन्धी	(19)57

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 29 मार्च, 1979

विधान सभा की बैठक , हरियाणा सभा हाल , विधान भवन, सैक्टर 1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9:30 बजे हुई। अध्यक्ष (कर्नल राव राम सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः साहिबान, अब सवाल होगें।

Opening of Primary Schools and Adult Education Centes

***926. Swami Adityavesh:** Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) the number of Government Primary Schools and Adult Education Centres opened during the period from the 4th July, 1977 to 30th June, 1978, in the State;

(b) whether it is a fact that there are certain villages in the State where even Primary School does not exist; if so, the name of such villages, and

(c) whether any benefit is being derived from the newlyh opened Adult Education Centres?

ि ाक्षा मंत्री (श्री हीरानन्द आर्य):

(क) 1. प्राथमिक पाठ ााला 1

2. प्रौढ़ ि ाक्षा 600

(ख) जी हां, हरियाणा राज्य मे 286 गांव है, जिनकी सूची अनैक चर 'ए' पर है जो कि सदन के पटल पर रखी जाती है।

(ग) जीं हां। इन केन्द्रों में इससमय 63182 प्रौढ़ ि ाक्षा ग्रहण कर रहे है।

अनैक चर 'ए'

स्कूल रहित गांवों की जिलावार सूची

कम संख्या	**जिला का नाम**
जिला अम्बाला	
1	अलीपूर
2	भोरगढ़
3	गोली
4	मालकपुर

5	हररा
6	बूटगढ़
7	नालागढ़ माजरी
8	बोलतपूर
9	बैनीपूर
10	टोडरपूर
11	गुलाबगढ़
12	सुखपुरा
13	सामापूर
14	रैतगढ़
15	बटनपुरी
16	हसनपूरी
17	सुखदासपूर
18	बम्दारपूर
19	मोलीमाजरा

20	पटासगढ़
21	भाान्सदरपूर
22	गोलपूरा
23	मुरादनगर
24	सुलतानपूर
25	बड़ीखेड़ी
26	तसरौला
27	गोबिन्दपूरा
28	सदापूर
29	राबदसापुर
30	जूथेरी
31	हालीवाला
32	परोदरी
33	लापरा
34	महमूदपूर

35	तयालगढ़ रामपुर
36	रामपुर
37	नागल
38	काकरू
39	मनसूरपुर
40	भााहपुर
41	लाहोरोन्दी
42	सीतामाजरा
43	रामनगर
44	कोडीअला
45	बगलारी
46	मुहापतपुर
47	रामसु
48	कजीयाना
49	कैदारपुर

50	लोहगढ़
51	जूरीयन
52	फिरोजापुर खुद
53	डिम्डामा
54	फतेहपुर
55	खरक्यू
56	रायपूर
57	जोदपुर
58	नवानगर
59	सिंहपुरा
60	राजपुरा
61	अलीपुर
62	रामगढ़
63	माजरा
64	भााहबादीयापुर

65	डूकडीवाला
66	टलीपूर
67	हैदरपूर
68	बसन्तौर
69	छीतपूर
70	टाबरी
71	सुन्दर बहादुरपुर
72	हारीवार
73	जैरामपुर खालसा
74	मीरपुर
75	सपोलिया
76	बरोली, माजरा
77	बी ानगढ़
78	रसूलपुरा
79	अलाउदीनमाजरा

80	सैनीमाजरा
81	बीरगन
82	गौसीयन
83	बाम्बा
84	नेकतपूर
85	कानडीडिया
86	जारसुहिया
87	वसीन माजरा
88	पहाडपुर
89	सलीमपुर
90	सुलतानपुर
91	फिरोजपुर अरीयन
92	मिलक
93	सायनमाजरा
94	अहमदपुर

95	खरकी
96	पंजौरी
97	सोलटी
98	पराल
99	बुर्ज
100	टंका माजरा
101	राजपुर
102	असगरपुर
103	गुडोपुर
104	कनडीयावाला
105	छोटी टीब्बी
106	नवां गावं
107	रायपुर विरान
108	टपरियन सानीनी
109	अराईयांवाला

110	बाल मजरा
111	भाखरी
112	छोटी बसी
113	बेलवाली
114	चमेली माजरा
115	छोटी रसापुर
116	लोटन कालौनी
117	राव माजरी
118	राजू माजरी
119	काटली
120	टीकरी
121	डबसू
122	बेलवाली
123	नागई मोगी नई
124	कि ानगढ़

125	कोटली
जिला भिवानी	
1	भाानीनवान राजगढ़
2	भाानी अहीरान
3	भाानी पुनतः
4	सहजमानपुर
5	धधरवास
जिला गुड़गावं	
1	बहरोला
2	नगला कनजर
3	अमलजाबाद
4	नगला कहीम
5	नगला कनजरपुजोरा
6	पीरगढ़ी
7	भोरन का नगला

8	रटक नगर
9	सती का नगला
10	न्यू कालोनी रेलवे रोड (होडल)
11	बरीयापटी(होडल)
12	पारली
13	जोगीपुर
14	मनआकी
15	मच्छरौली
16	बेरकपुर
17	अनवाका
18	पाल्ला
19	मियनवाली
20	खुनहेरकच्छा
21	मुदहरमलूका
22	भानीवास देव

23	सारलू
24	केरहरी
25	लाहावास
26	करपुरी
27	ताजपूरा
28	पधा
29	असलालपूर
30	याकवपुर
31	मोसकोला
32	तिलोरोखादार
33	सीनदापुर
34	सोहरावत
35	परलादपुर माजरा खाटोली
36	बापुरनगर (जाहार सेटली)
37	इस्मालपुर

38	डेलापुर
39	कलेरा
40	सढ़ौला
41	टीकोबली
42	थुमोसपूर
43	खटरीका
45	जाकोपुर
46	मोहमदपुर
47	सलालपुर
48	डलैनी
49	मावका
50	मोहमद ीद नगर
51	मोलावास
52	बरेहरी
53	नोमहेरा

54	मेहचन्द
55	साधरा थानी
56	राजपुर
जिला हिसार	
1	थानी भाोभन
2	थानी पीरन
3	रीछपुरा
4	नीमरी
जिला जीन्द	
1	फुलिया खुर्द
2	फारैन खुर्द
3	मालिदा खुर्द
जिला कुरूक्षेत्र	
1	अजीत नगर
2	बी ानगढ़ बसरीया

3	रामपुरा
4	खेड़ी ब्राह्मण
5	दीदाखोडी
6	माजरी पुरबिया
7	छारपुर
8	देहरा छाक जागलियन
9	देहरा दूप साडिया
10	देहरा अमृत
11	डाहरी जालियन
12	खाज जनपुर (ाहबाद–I)
13	अजकपुर
14	श्रीनगर
15	बोरीपुर (ाहबाद–II)
16	धमगढ़
17	नानकपुर

18	लनगी
19	करतापुर (रादौर ब्लोक)
20	फतेहगढ
21	धीसपुर
22	छीजीपुर
23	बसन्तपुरा
24	सहजादपुर
25	जोगी माजरा
26	रायसेरा
27	अमलो
28	सीली खुर्द
29	छाकचान्दपुर
30	भागूमाजरा
31	भााहबीरी
32	जैं सिंह माजरा

33	बापदा
34	गुहान (लाडवा ब्लाक)
35	कालाक
36	दुधा
37	टटीरी
38	नखरोजपुर
39	करोली
40	डुगेरी
जिला करनाल	
1	महमूदपूर माजरा
2	जय पहार
3	अम्बा
4	परानवादा
5	जालापुर
6	नगलाखुर्द

7	गोहन बुर्ज
8	करतानपुर
9	भोखपुर पाल
10	पिपलवाली
11	पालनगर
12	रियालपुर
13	गोनिन्दगढ (नीलोखेडी–I)
14	नीरमाजरा
15	रामनगर
16	गोबिन्दगढ़ (नीसंग)
17	खटाना
18	पुरब्यान (डेरा)
19	मालिकपुर
20	कतूर
21	बुडनपुर

22	कामरो
23	अलीसगरपूत
24	केहलोलपुर
25	खीजपुरा
26	हमीरपुर
27	भाावमाजरा
28	भाोतरा
29	कालरी
30	जारोली
31	बाद ााहपुर
32	सिमारपुर
33	दारूसानडातपुर
34	केसी
जिला नारनौल	
1	रधुनाथपुरा

2	भगवानपुरा
3	भवल हरिजन बस्ती
4	जैतपुर की धनी
5	कसौली
6	बाखापुर
7	खारीवाडा
8	कीरारऔथ अफगान
जिला रोहतक	
कोई नहीं	
जिला सोनीपत	
1	छोटी बेनसवान खुर्द
2	बान्दपुर
3	जगदीपुर
4	छन्डाली
5	जेफरपुर

6	भागीपुर
7	भारत
8	गिवासपुर
9	मानकपुर
	जिला सिरसा
1	भामबूर खुर्द
2	खाना कुसवाली
कुल	**286**

स्वामी आदित्यवे ा: अध्यक्ष महोदय सारे हरियाणा में पिछले 11 महीने में केवल एक प्राईमरी पाठ ाला खोली गई। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहुंगा कि इतनी कम पाठ ालायें खोलने कै क्या कारण है जबकि हरियाणा में अभी तक 286 गांव ऐसे है जहां एक भी प्राईमरी पाठ ाला नहीं है?

श्री हीरानन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, इन गांवों के अलावा तकरीबन 1500 स्कूल और खोले जाने का सरकार का विचार है। 1980–81 में 330 1981–82 में 580 1982–83 में 585।

डा0 बृज मोहन गुप्ता: अध्यक्ष महोदय, यह जो मंत्री महोदय ने लिस्ट बताई है इसमें सबसे बैकवर्ड जिला अम्बाला है। इस जिले में 125 गावं है जहां कोई प्राईमरी स्कूल नहीं है। यह स्कूल और सड़ाकं कें लिहाज से सबसे बैकवर्ड है। क्या इन 125 गांवों में प्राईमरी स्कूल बनाने के लिये प्रैफरैंस दिया जायेगा?

श्री हीरानन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, जहां स्कूलों की कमी है वहां स्कूल खोले जायेगें। हरियाणा में ऐसे भी गांव है जहां अभी तक स्कूल नहीं खोले गये है। हरियाणा में हर प्राईमरी स्कूल की औसत दूरी 1.44 किलोमीटर रखी गई है।

श्रीमती भाांति देवी: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूंगी कि जो लिस्ट उन्होने सदन के पटल पर रखी है। इसमें जिला सोनीपत में 9 गांव ऐसे है जहां कोई प्राईमरी स्कूल नहीं है। इनमें से मेरे हल्के के भी दो गांव है करणपुर और यादवपुर जहां कोई स्कुल नहीं है। क्या ि ाक्षा मंत्री आ वासित करेगें कि वहां भी प्राईमरी स्कूल खोल दिये जायेगें?

श्री हीरानन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, यह जो स्कूलों की संख्या बताई गई है इनमें डिस्ट्रिक्ट ऐजूके ान अाफिसर को स्कूल खोलने का अधिकार है, जहां 30–35 बच्चे हो और इसके अलावा गांव वाले अकामोडे ान प्रोवाइड करें तो वहां स्कूल खोले जायेगें।

श्री भलेरामः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय न बताया है कि एडल्ट ऐजूके ान सैंटर 600 खोले जायेगें। क्या वे बतायेगें कि गोहाने में कोई ऐसा सैंटर खोले जाने के लिये प्रैफरैंस दिया जायेगा?

श्री हीरानन्द आर्यः इस लिस्ट में सारा टोटल दिया गया है। इसमें आपके गोहाने का भी होगा। अगर आप कहें तो मैं पढकर सुना देता हूं।

श्री जगननाथः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि प्रौढ़ ि ाक्षा प्राप्त करने के लिय मिनिमम एज कितनी है ओर मैक्सिमम एज कितनी है?

श्री हीरानन्द आर्यः एज के बारे में सारी डिटेल नहीं है जितनी एज और सर्विसीज में होती है.....

श्री अध्यक्षः मैंबर साहेबान आप से स्टूॅडैंटस की एज के बारे मे पूछ रहे है।

श्री हीरानन्द आर्यः प्रौढ़ ि ाक्षा में प्रवे ा पाने के लिये 15 से 35 वर्श की आयु होनी चाहिये, इससे उपर की आयु के भी हो सकते है।

श्री हरफूल सिंहः स्पीकर साहब, फतेहाबाद में यालकी के पास एक ढाणी है जहां सौ पढने वाले है। क्या मंत्री जी बतायेगें कि वहां इस प्रकार का स्कूल खोला जायेगा?

श्री हीरानन्द आर्यः इसके बारे में लिखकर दें, विचार किया जायेगा?

मास्टर ि ाव प्रसादः क्या मंत्री महोदय बतायेगें कि ये जो प्रौढ़ ि ाक्षा केन्द्र चल रहे है क्या ये वास्तव में चल रहे है या सिर्फ कागजों पर ही है?

श्री हीरानन्द आर्यः जहां तक प्रौढ़ ि ाक्षा केन्द्रों के चलने का सवाल है ये तो लेागों के सहयोग से ही चलाये जा सकते है। ये पिछले 2 अक्तूबर को ही चलाये गये है। अब इनमें से कितने कामयाब होगे यह तो आगे आने वाले समय में ही पता लगेगा।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलूः क्या मंत्री महोदय बतायेगें कि यह जो एडल्ट ऐजूके ान है क्या हमारी आज की लडकियो ओर कल की माताओं के लिये भी पाठ ाालायें खोलने का सरकार का कोई विचार है?

श्री हीरानन्द आर्यः गांवो में ये वि ोश रूप से महिलाओं के लिये खोले जाते है। लड़कियों के लिये वि ोश रूप से प्राईमरी स्कूल खोले जायेगें।

चौधरी राजेन्द्र सिंहः क्या मंत्री महोदय बतायेगें कि प्रौढ़ ि ाक्षा का उद्दे य क्या है?

श्री हीरानन्द आर्यः इसका सवाल से कोई सम्बन्ध नहीं है।

चौधरी राजेन्द्र सिंहः इसमें क्या विशय पढाये जाते है?

श्री हीरानन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मैं समझता हूं कि इसके उददे य माननीय सदस्यों को पता होना चाहीये।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, कुछ गांव ऐसे है खासकर सिरसा डिस्ट्रिक्ट में जहां एक क्लास से तीन क्लास तक के स्कूल है और वहां कम पढे मास्टर लगे हुये है। क्या मंत्री महोदय बतायेगें कि उन स्कूलों को प्राईमरी स्कूल बना दिया जायेगा?

श्री हीरानन्द आर्यः सिरसा जिला का जहां तक संबंध है वहां काफी प्राईमरी स्कूल है, फिर भी जहां नही है वहां बना दिये जायेगें।

चौधरी संत कंवरः अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री महोदय ने चौधरी हरफूल सिंह जी के सवाल के जवाब में कहा कि यदि गांव वाले बिल्डिग बना कर देगें और एक सौ बच्चे वहां पढने वाले होगें तो वहां स्कूल खोल दिया जायेगा। स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री जी भी यह बात कई बार कह चुके है लेकिन मै मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि जब आप भाहर मे स्कूल के लिये बिल्डिंग बना कर देते है तो गांव वालों से क्यो बिल्डिंग मांगते है?

श्री हीरानन्द आर्य: इस संबंध में कई बार चर्चा हो चुकी है। हरियाणा में 6 हजार गांव है। अगर उन सीाी में सरकार बिल्डिंग बनाने लगे तो उनका 7 करोड से भी ज्यादा खर्च पडेगा। इतना सरकार नहीं कर सकती है, फिर भी सरकार काफी सहायता देती है।

श्री मूलचन्द मंगला: हमारे प्रातं में 286 गावं ऐसे है जहां प्राईमरी स्कूलों की ज्यादा जरूरत है। हम चाहते है कि ि ाक्षा बढ़े, गांव में प्राईमरी ि ाक्षा की ओर खास ध्यान दिया जाये। जिन 286 गांवों में प्राईमरी ि ाक्षा के लिये स्कूल नहीं है वहां स्कूल खोले जायें।

श्री अध्यक्ष: इस बारे में बता दिया गया है।

श्रीमती भाकुन्तला भगवाड़िया: स्पीकर साहब, इस लिस्ट में नारनौल में मेरे हल्के के तीन गांव ऐसे है जिनमें कोइ प्राईमरी स्कूल नहीं है। अगर उनका नाम बता दिया जाये तो क्या इन गांवों मे ंप्राईमरी स्कूल खोले जायेंगें?

श्री हीरानन्द आर्य: यह लिस्ट रेवेन्यू एस्टैटस के मुताबिक बनायी गई है। हो सकता है लोग ढाणी में भी बसते हो। उनको भी इसमें भाामिल कर लिया जायेगा। यह तो है नहीं कि आज ही ये स्कूल खोल दिये जायेगें। जहां स्कूल नहीं है वहां जल्दी से जल्दी स्कूल खोलने का प्रयत्न किया जायेगा।

चौधरी ई वर सिंह: अगर कोई पंचायत स्कूल के लिये बिल्डिंग बना कर दे देती है तो क्या वहां इसी पढाई के सै ान में स्कूल खोल दिया जायेगा?

श्री हीरानन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, 1980–81 में जिस गांव में बच्चों की संख्या पूरी होगी ओर बिल्डिंग उपलब्ध होगी वहां पर स्कूल जरूर खोल दिये जायेगे— ।

चौधरी खुर ीद अहमद: स्पीकर साहब, अभी मंत्री जी ने बताया कि 286 गांव ऐसे है जिनमें स्कूल नहीं है। इस जवाब के मुताबिक अभी तक एक ही प्राइमरी स्कूल खुला हैं। क्या मंत्री जी कोई मुकर्रर टाईम बतायेगें कि इन 286 गांवों में कब तक स्कूल खोल दिये जायेगें?

Mr. Speaker: I must request the Hon. Member to pary attention to what the hon. Minister replies. उन्होने प्रोग्राम दिया है कि 1979–80 में इतने खोले जायेगें और 1980–81 में इतने खोले जायेगें तथा 1981–82 में इतने खोले जायेगें।

चौधरी हरस्वरूप बूरा: अध्यक्ष महोदय, एडल्ट ऐजुके ान पर बडा जोर दे रहे है लेकिन प्राइमरी ऐजुके ान की तरफ कम ध्यान दिया गया है। कया मंत्री जी बतायेगें कि क्यो न प्राइमरी ऐजुके ान को कम्पलसरी कर दिया जाए क्योकि एडल्ट ऐजुके न सैंटर तो फिर भी खोले जा सकते है?

श्री हीरानन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, इसके सम्बन्ध में तो पहले भी जवाब दिया जा चुका है कि एडल्ट ऐजुके ान प्रोग्रम नै ानल पालिसी के तहत है और उसके तहत ही सारे दे ा का यह प्रेाग्राम चलाया जा रहा है लेकिन हरियाणा ने ड्राप आउट को बंद करने के लिये 9 से 14 साल के बच्चों के लिये ऐजुके न का प्रबन्ध किया है जिससे एडल्ट ऐजुके ान की समस्या ही न रहे।

चौधरी खुर ाीद अहमद: अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री जी बतायेगें कि जो एक प्राइमरी स्कूल खोला गया है वह किस जगह पर खोला गया है?

श्री हीरानन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, यह स्कूल कुरूक्षेत्र जिले मे 11–8–78 को खोला गया है।

चौधरी लाल सिंह: अध्यक्ष महोदय, नारायणगढ़ और कालका में छोटे छोटे गांव है और वहां के लोग बहुत गरीब है। क्या मंत्री जी यह बताएंगे कि वहां पर प्राइमरी स्कूल खोले जायेगें?

श्री हीरानन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, नारायण्गढ़ का जरूर ध्यान रखा जायेगा।

स्वामी आदित्यवे ा: अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि प्रौढ़ ि ाक्षा केन्द्र कहां कहां खोले गये है और किस आधार पर खोले गये है?

श्री हीरानन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, इस सवाल का मेन सवाल से कोई सम्बन्ध नहीं है, इसका अलग से नोटिस दिया जाये।

Disparity in the Pay-scales of Tracers and Draftsmen

***1163. Dr. Brij Mohan Gupta:** Will the Minister for Public Works be pleased to state-

(a) whether there is any disparity in the pay-scales of Tracers, Draftsmen, Head Draftsmen and Circle Draftsmen working in the P.W.D. (B&R) and Haryana State Electricity Board;

(b) if reply to part (a) be in affirmative the reason therefor; and

(c) whether there is any proposal under consideration to remove this disparity?

लोक निर्माण मंत्री (श्री लछमन सिंह):

(क) जीं हां, केवल ट्रेसरज के पदों को छोउ कर जो पद हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड में उपलब्ध नहीं है।

(ख) सरकार किसी वि ोश काडर का तेतनमान राजय की अन्य सेवाओं के लिये दिये गये वेतनमानों के आधार पर निर्धारित करती है ओर वेतन निर्धारण सं ाोधन का मामला निगमों और स्वायत संस्थाओं जैसे कि राज्य बिजली बोर्ड के वेतनमानों के साथ नहीं जोडा जाता।

(ग) जी नहीं।

डा0 बृज मोहन गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, इनके आफिस में टैक्नीकल स्टाफ भी होता है और ना–टैक्नीकल स्टाफ भी होता है। टैक्नीकल स्टाफ में ओवरसियर, ड्राफ्टमैंन और दूसरे आफिसर्ज वगैरह आ जाते है ओर नान–टैक्नीकल स्टाफ में क्लर्क, असिस्टैन्ट, डिप्टी, सुप्रिन्टैंन्डैंट और सुप्रिन्टैन्डेन्ट आ जाते है। तो क्या मंत्री जी बतायेगें कि नान–टैक्नीकल स्टाफ के ग्रेड में भी कोई डिस्पैरिटी है?

श्री अध्यक्षः इस सवाल का तो नोटिस देना चाहिये।

श्रीमती भाांति देवीः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहती हूं कि क्या यह सत्य है कि उनके वेतनमानों का अन्तर रोकने के लिये एक तीन सदस्यीय कमेटी नियुक्त हुई थी और उसकी रिपोर्ट को इम्पलीमेंट न करके किसी एक बडे अधिकारी ने वह मामला रफा दफा कर दिया?

श्री लछमन सिंहः स्पीकर साहब, उस वक्त आई0पी0एम0 साहब ने चीफ इंजीनियर्ज को इस बारे में चेंज करने के लिये मुकर्रर किया था। उन्होने वह रिपोर्ट सैक्रटीज को की थी। एक डिमांड को छोड कर बाकी डिमांडज सैक्रेटरी लैवल पर नहीं मानी गई। वैसे मैं आपको बताउं कि आप एक डिप्टी सैकेगटरी को ले लीजिये, सैकिटेरीएट में वह एक छोटे से कमरे में बैइा होता है लेकिन जब उसे किसी कारपोरे ान का चेयरमैन बना दिया जाए

तो वह बहुत बडे कमरे में बैठता है और उसको और भी बहुत सुविधायें होती है इसलिये उनके वेतनमान गवर्नमेंट के साथ नहीं मिल सकते ।

श्रीमती भाांति देवीः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने पहले जवाब से स्वीकार यिका हे वह बात उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर है लेकिन मैं जानना चाहती हूं कि क्या यह वास्तव में सत्य था कि बर्गर सोचे समझे वह कमेटी बना दी गई?

श्री लछमन सिंहः स्पीकर साहब, वह कमेटी नहीं थी, वह तो दरअसल रिप्रेजैन्टे ान दी गई थी। उसको डिस्पाजे आफ करने के लिये वह मामला उनके सुपुर्द कर दिया था।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह): स्पीकर साहब, कल परसों भी यह सवाल आया था और उस दिन भी मैंने इस बारे में क्लैरीफिके ान दी थी कि कोई कमेटी कांस्टीचयूट नहीं की थी। जब कोई कमेटी कांस्टीचयूट होती है तो उसका बाकायदा नोटिफिके ान होता है और भी फारमैलेटीज पूरी करनी होती है। यह तो उन्होने सुझा दिये थे ओर एक सुझाव के बारे में फाइनैंस मिनिस्टर साहब ने एलान कर दिया है और बाकी जो सुझाव है उनके बारे में एडमिनिस्ट्रेटिव डिपार्टमेंट से अब तक कोई इनफरमें ान नहीं आई है कि वह सुझाव उनके मान लिये गये है या नहीं।

श्री मूलचन्द मंगलाः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री महोदय बतायेगें कि अभी तक जो सुझाव नहीं आये है, उन सुझावों को आने में कितनी देर लगेगी?

श्री अध्यक्षः यह कोई सवाल नहीं बनता।

श्रीमती भाांति देवीः अध्यक्ष महोदय, अभी सरदार लछमन सिंह जी ने स्वीकार किया कि तीन सदस्यीय कमेटी बनी थी लेकिन चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने कहा कि कोई कमेटी नहीं बनी। तो मैं यह जानना चाहती हूं कि इनमं से कौन सी बात सही है?

श्री अध्यक्षः यह आपके समझने में अन्तर है।

श्री फतेहचन्द विजः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अपने सवाल के जवाब में यह कहा कि वह मामला कमेटी को सौंपा गया और चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने का कि कोई कमेटी नहीं बनी तो इनमें से कौन सी बात सच है?

श्री अध्यक्षः आई0पी0एम0 साहब इस बात को क्लैरीफाई कर चुके है। कहने के लिये चाहे आप उसे कमेटी कहें लेकिन असल में वह एक वर्किंग ग्रुप या स्टडी ग्रुप था। ऐसा ग्रुप किसी मसले पर अपना सुझाव दे सकता है लेकिन कमेटी बनाने के लिये बाकायदा नोटिफिके ान हेाती है। इसलिये यह कमटी नहीं थी वह एक किस्म का वर्किगं ग्रुंप या स्टडी ग्रुप था।

श्रीमती भाांति देवीः स्पीकर साहब, इन्होने सदन में कहा कि तीन सदस्यीय कमेटी बनी है (व्यवधान)

श्री लछमन सिंहः मैंने यह नहीं कहा था, मैंने कहा था कि चीफ इंजीनियर साहब को एक रिप्रेजेंटें ान दिया था जो फार डिस्पोजी इनके पास भेज दिया था.....(व्यवधान)

श्री दीपचन्द भाटियाः स्पीकर साहब, मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूं जब वे बात करते है तो गैर–जिम्मेदाराना बात करते है (व्यवधान) पहले इनकी स्टेटमेंट और थी, अब और है। मैं इनसे रिक्वेस्ट कंरूगा कि कागजात को देख कर बताया करे।

श्री अध्यक्षः मिनिस्टर को यह कहना कि गैर–जिम्मेदाराना बात करते है, यह आपको भाोभा नहीं देता।(व्यवधान)

डा0 बृज मोहन गुप्ताः स्पीकर साहब, मैंने अपने सवाल में पे–स्केल की डिस्पैरिटी रिमूव करने के लिये सवाल पूछा था लेकिन इन्होने इसके जवाब में कह दिया ' नही'। मैं जानना चाहता हूं कि पी.डब्ल्यू0डी0 और इलैक्ट्रिसिटी डिपार्टमेंन्ट के कर्मचारियों में जो डिस्पैरिटी है, इसको दूर न करने के क्या कारण हे यानि ''नहीं'' कहने का क्या कारण है?

श्री अध्यक्षः इसका कारण जवाब के अन्दर दे रखा हैं (व्यवधान) क्या आपका यह मतलब है कि ट्रेसर, ड्राफ्टसमैन, हैड–ड्राफ्टसमैन, इन सब की बराबर पे होनी चाहिये?

श्री लछमन सिंहः स्पीकर साहब, इन सब की जाब ही मुखतलिफ है। (व्यवधान)

डा0बृज मोहनः मुखतलिफ नहीं है, एक ही स्टेट है, एक ही काम है लेकिन स्केल मुखतलिफ है, आप इस पर फिर से विचार करें। (व्यवधान)

श्रीमती भाांति देवीः स्पीकर साहब, यह बडा इम्पोर्टेंट मामला हैं (व्यवधान)

Loans written off by the Haryana Financial Corporation

***1201 Master Jogi Ram:** Will the Minister for Industires be pleased to state-

(a) the total amount of loans including that of the interest written off by the Haryana Financial Corporation since its inception to-date; and

(b) the names of the parties from whom the said amount was due in each case togetherwith the reasons for which the amounts were written off?

उद्योग मंत्री (डा0 मंगल सैन):

(क) भून्य।

(ख) प्र न हीं नहीं उठता।

श्री फतेहचन्द विजः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने कहा कि हरियाणा फाइनैं ाल कारपोरे ान का कोई लोन राईट–आफ नहीं किया है। क्या मंत्री महोदय बतायेगें कि इंडस्टरीज वालों को जो लोन देते है, उस सब की वसूली हो गई है?

डा0 मंगल सैनः मैंने यह नहीं कहा कि सारा लोन वापिस हो गया है। स्पीकर साहब, इन्होने पूछा था कि क्या कोई लोन या इन्ट्रैस्ट राईट–आफ कर दिया गया है? मैंने कहा ''नहीं''।

श्री अध्यक्षः आउटस्टैंडिंग लोन हो सकता है लेकिन राईट आफ नहीं हुआ है।

श्री मूलचन्द मंगलाः स्पीकर साहब, फाइनैं ाल कारपोरे ान की तरफ से हिसार के कुछ हरिजनों को लोन दिया गया था लेकिन यह रूपया हरिजन लोगों को न मिल कर गुलाब सिंह जैन नाम का आदमी खा गया। इसमें बहुत घपला हैं इन गरीबों का लाखों रूपया खा गया हे, बीच में बडी हेराफेरी हुई है। क्या मंत्री महोदय इसकी इन्क्वायरी करवायेगें?

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को और सदन को बताना चाहता हूं कि मुझ से सवाल पूछा गया था कि कोइ लोन राईट आफ तो नहीं किया या कोइ इन्ट्रैस्ट राईट आफ तो नहीं किया गया हैं मैं कहना चाहता हूं कि दोनों ही नहीं किये। जो घपले की बात बताई कि किसी

महानुभाव ने गोलमाल कर लिया, इस महानूभाव को, जिसने घपला किया है, मुआफ करने का सवाल ही पैदा नहीं होता।

सरदार सुखदेव सिंहः स्पीकर साहब, किसान की तरफ अगर 5 रूपये भी हो तो भी वसूल कर लिये जाते है लेकिन बडी बडी फैक्ट्रियों से वसूली नहीं की जाती ओर फैक्ट्रियों वालों से वसूली का ढंग बडा गलत है। क्या सरकार इस ढंग को सुधारने की कोि ा ा करेगी?

डा0 मंगल सैनः मेरे माननीय सदस्य ने बडे काम का सवाल पूछा है। स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा सदन को सूचित करना चाहता हूं कि हम वसूली के तरीके को बदलने पर विचार कर रहे हैं। जब किसान लगान, तकावी नहीं देता तो उसकी रिकवीर एज लैंड रैवेन्यु वसूल की जाती है। हम विचार कर रहे है कि पूंजीपतियों से भी इसी प्रकार का तरीका निकाल कर वसूली की जाये, जेल में ठोका जाये और पैसे की वसूली की जाये। (तालियां)

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः मंत्री महोदय ने बताया कि लोन और इन्ट्रैस्ट राईट आफ नहीं किया गया । मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहता कि गवर्नमेंट लैवल पर किसी डिपार्टमेंट में या कारपोरे ान में राईट आफ करने के जो कागजात चल रहे है, उनके बारे में क्या विचार है?

डा0 मंगल सैनः मैंने साफ भाब्दों में कहा है कि कोई राईट आफ नहीं किय गया। अब ये कह रहे कि कागजात चल रहे हैं कागजात चलने की बात मैनें गौर से नहीं देखी। अगर चल रहे होगें तो राईट आफ करने का सवाल ही पैदा नहीं होता।

श्री सुमेरचन्द भट्टः क्या मंत्री महोदय बतायेगें कि जब से फाइनेि ायंल कारपोरे ान बनी है, तब से कितना अमांउट डिफाल्ट में है, उस पर कितना इन्ट्रस्ट लगा है और कितने अर्से से डिफालट में चल रहा है? इस रूपये को रिक्वर करने के लिये हकूमत ने क्या क्या कदम उठाये है?

डा0 मंगल सैनः इस सवाल के लिये सैपरेट नोटिस चाहिये, लेकिन मैं माननीय सदस्य के सन्तोश के लिये और सदन की सूचना के लिये बताना चाहता हूं कि जो रूपया डिफाल्ट में चल रहा है, हम उसको रिक्वर करने की पूरी कार्यवाही कर रहे है। कुछ मुकदमें अदालत में गये है, वहां पर देरी लग रही है। इसलिये पहले जो मैने रैमेडी बताई है कि जैसे किसानों से एज लैंड रैवेन्यु वसूल किया जाता है। उसी प्रकार का कोइ माध्यम अपनाना चाहते है।

श्री मांगें राम गुप्ताः स्पीकर साहब, हिसार में 'गुरूजी' नाम की एक फैक्टरी थी। उसने फाइने ांल कारपोरे ान से 6 लाख रूपया लिया था लेकिन न तो हरियाणा में उस फैक्टी की कोई प्रौपर्टी, न उसका कोइ गांरटर है और न ही वह फैक्टरी

कहीं एग्जिस्ट करती है। क्या मंत्री महोदय इस 6 लाख रूपये की वसूली के बारे में बतायेगें कि किस तरह से की जायेगी?

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने अभी गुरू–ि ाश्य की बात कही। जनता सरकार के भाासनकाल में तो ऐसा हो ही नहीं सकता, लेकिन पहली सरकार ने जो गुनाह किये है, उनके बारे में मैं देख लूंगा ओर जो उचित कार्यवाही होगी, जरूर की जाएगी।

चौधरी लाल सिंहः स्पीकर साहब, अभी हमारे माननीय सदस्य श्री मूलचन्द मंगला ने सवाल पूछा था कि हरिजनों के नाम पर, हिसार का एक बहुत बडा आदमी पैसा खा गया। मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि ऐसे लोगों से जो हरिजनों को लूटते है, हरिजनों को बचाया जायेगा।

श्री अध्यक्षः इसका जवाब आ चुका है।

चौधरी संत कंवरः क्या मंत्री महोदय बतायेगें कि फाइनें ाल कारपोरे न द्वारा फ्री आफ इन्ट्रैस्ट लोन दिया जाता है? अगर दिया जाता है तो इस में किस–किस कैटेगरी के लोग आते है?

डा0मंगल सैनः स्पीकर साहब, फाइनें ाल कारपोर ान, एक प्रकार का बैंकिग इन्स्टीच्यु ान है, इसका वाणिज्य का धंध है, सूद के बिना तो यह बात ही नहीं करता। इसलिये किसी को बिना सूद के लोन देने का सवाल ही पैदा नहीं होता।

श्री फतेहचन्द विजः स्पीकर साहब, ट्रास्पोर्टर्ज ने 1962 में चाईना के साथ हुई लडाई में और 1965 मे पाकिस्तान के साथ हुई लडाई में दे ा की रक्षा करने में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया, लेकिन इनको लोन देनार सरकार ने बन्द कर दिया। क्या मंत्री महोदय दोबारा लोन देने की स्कीम पर सोच रहे है ताकि इस क्लास को भी लोन की फैसिलिटी मिल सके?

डा0 मंगल सैनः ट्रांस्पोर्टर्ज को रूपया देकर फाइनें ाल कारपनोरे ान को रूपया रीयलाइज करने में बडी दिक्कत आती थी। ट्रक ओर या ट्रक ड्राईवर दे ा भर में औप्रेट करते हे, इसी कारण से यह रूपया वसूल नहीं होता था। इस कठिनाईयों को देखते हुये फाइनें ाल कारपोरे ान ने इनको रूपया देना बन्द कर दिया था। जंहा तक नये सिरे से विचार करने का सवाल है, इस पर विचार किया जा सकता है।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलूः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने अभी बताया कि जिस तरह से किसान और मजदूर से लैंड रैवेन्यू के तौर पर कर्जा वसूल किया जाता है उसी तरहसे पूंजीपतियों से कर्जा वसूल करने के लिये सरकार विचार कर रही है। क्या मंत्री जी बतायेगें कि कब तक फैसला कर लेगें क्योंकि जनता सरकार को दो साल तो बने हुये हो गये है?

डा0 मंगल सैनः जितनी जल्दी हो सकेगा करेगें।

Yoga Centres in the State

***928. Swami Adityvesh:** Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) whether any Yoga Centre has been opened during the period from the 4th July, 1977 to 30th June, 1978 in the State; and

(b) if so, the name of place where it has been opened together with the type of Education being imparted there?

ि ाक्षा मंत्री (श्री हीरानन्द आर्य):

(अ) नहीं।

(ब) प्र न नहीं उठता।

स्वामी आदित्यवे ा: मैं मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि योग केन्द्र क्यों नहीं खोले गये?

श्री हीरानन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, 1997 में 11 आसामियों की सिलैक ान के लिये एस0एस0एस0 बोर्ड के पास रिक्वीजि ान भेजी गई थी लेकिन केवल तीन की सिलैक ान की गई। मैं समझता हूं कि योग्य व्यक्ति न मिलने के कारण उनकी नियुक्ति नहीं की जा सकी होगी।

चौधरी हर स्वरूप बूरा: अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि हरियाणा के अन्दर कुल कितने योग केन्द्र है?

श्री हीरानन्द आर्यः इस समय चार केन्द्र कार्य कर रहे है?

डा0 बृज मोहन गुप्ताः क्या मंत्री जी बतायेगें कि हरियाणा के अन्दर महिलाओं और पुरूशों के लिये अलग–अलग योग सैंटर है या इकट्ठे है?

श्री हीरानन्द आर्यः इसके बारे में मेरे पास डिटेल नहीं है। जमुनानगर में दोनों प्रकार के केन्द्र है। टाईमिगं का मुझे पता नहीं है कि उनकी क्लासिज एक ही समय मं चलती है या अलग अलग समय में चलती है।

चौधरी देस राजः क्या मंत्री जी बतायेगें कि चण्डीगढ़ में एम0एल0एज0 और मिनिस्टर्ज के लिये कोई योग सैन्टर खोलने की तजवीज है? (हंसी)

श्री अध्यक्षः मेरे ख्याल में मंत्रियों और एम0एल0एज0 के स्वास्थ्य के लिये सुजै ान तो अच्छी है। (हंसी)

श्री हीरानन्द आर्यः सुझाव तो अच्छा है लेकिन मैं समझता हूं कि यूनियन टैरेटरी होने के नाते से भाायद यहां हमे ऐसा सैंटर खोल न सकें। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः इसके लिये तो मैं विधान सभा में एक कममरा मुहैया कर सकता हूं।

चौधरी खुर ीद अहमदः स्पीकर साहब, आपने तो बडी मेहरबानी की जो विधान सभा में कमरा देने के लिये तैयार हो गये लेकिन क्या मंत्री जी स्वामी जी की औनरेरी सर्विसजि लेकर इस योग सैन्टर को यहां भुरू करेगें? (हंसी)

श्री हीरानन्द आर्यः ये अगर दरख्वास्त देगें तो जरूर भुरू करेगें।

चौधरी हरिचन्द हुड्डाः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने अभी बताया कि रोहतक के अन्दर 4 योग सैंटर चल रहे है। क्या वे बतायेंगें कि इनको कब तक बन्द करेगें अगर ये योग केन्द्र मौरल करैक्टर पर धब्बा हों? (विघन) स्पीकर साहब,–

न भाादी न सांदा,

न रंज पर भाोग,

इसी का नाम है योग।

श्री अध्यक्षः यह आपका सुझाव है या सवाल है?

चौधरी हरिचन्द हुड्डाः स्पीकर साहब, ऐसा है कि सुझाव और सवाल दोनों ही है। कहने का मतलब यह कि अगर क्लीयर चीज हाउस के सामने आ जाए तो लोगों का भला हो सकता हैं।

श्री हीरानन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, रोहतक में हमने कोई योग केंन्द्र नहीं खोला हैं इन्होने खोल रखे हो तो वे मेरी जानकारी में नहीं है।

श्री अध्यक्षः मैं भी हैरान था। आपने यह तो कहा था कि चार योग केन्द्र है लेकिन रोहतक का नाम नहीं लिया था।

डा0 बृज मोहन गुप्ताः स्पीकर साहब, जमुनानगर का योग सैंटर ऐसा है जहां महिलायें भी है और पुरूश भी है। पिछले दिनों वहां दुराचार का एक केस हुआ था और दोवी रैड हैंडिड पकडा गया था। क्या मंत्री जी बतायेगें कि महिलाओं के लिये अलग और पुरूशों के लिये अलग सैंटर खोले जायेगें और साथ ही महिला योग केन्द्र में महिला प्र ाक्षक तथा पुरूश योग केन्द्र में पुरूश प्र ाक्षक लगाने का विचार करेगें?

श्री हीरानन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, केस के सम्बन्ध में तो इस समय मेरे पास जानकारी नहीं हैं लेकिन अगर कहीं से ऐसी कोई बात हमारे नोटिस में आयेगी कि फंला जगह योग सीखने वाली लडकियों की संख्या काफी है तो वहां के लिये महिला योग प्र ाक्षक लगाने पर विचार यिका जा सकता है।

स्वामी आदित्यवे ाः क्या मंत्री जी बतायेगें कि जो चार योग केन्द्रखुले हुये है उनमें रजनी ा टाईप या महे ा योगी टाईप कौनर सा योग सिखाया जाता है?

श्री हीरानन्द आर्य: स्पीकर साहब, इसके लिये अलहिदा नोटिस चाहिये।

चौधरी बीरेन्द्र सिंह: क्या मंत्री जी बतायेगें कि जो लोग आदरणीय रजनी ा के आश्रम से सर्टिफिकेट लेकर आए हों उन लोगों को इन योग केन्द्रों मै प्र ाक्षण देने के लिये लगाया जाएगा?

श्री हीरानन्द आर्य: आपके पास यदि सार्टिफिकेट हो तो आपको हम जरूर रिकूट करेगें।

Enquiry against Improvement Trust Jagadhri

***1200 .Dr. Brij Mohan Gupta:** Will the Minister for Local Government be pleased to state-

(a) whether any enquiry is pending regarding trhe duplicate Measurement Book in connection with the building of Improvement Trust Jagadhri; and

(b) if so, to whom the enquiry has been entrusted or is proposed to be entrusted?

स्थानीय भाासन मंत्री (चौधरी राम लाल वधवा):

(ए) हां।

(बी) जाचं चौकसी विभाग द्वारा की जा रही है।

डा0 बृज मोहन गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि क्या चौकसी विभाग से ये इंक्वायरी जल्दी से जल्दी करवाने की कोि ा ा करेगें?

चौधरी राम लाल वधवाः अध्यक्ष महोदय, यह केस जगाधरी के श्री पी0के0 गोयल, चेयरमैन, इम्प्रवमैंट ट्रस्ट, से संबंध रखने वाला केस है। ये कांग्रेस राज के वक्त चेयरमैन बन गये थें इनके अगेन्सट 6–6–77 को मुख्य मंत्री जी के पास एक कम्पलेन्ट आई थी। 13–6–77 को उन्होने इसे डिपार्टमेंट के पास भेजा थां हमने 18–7–77 को इसे डिप्टी कमि नर के पास इंक्वायरी के लिये भेज दिया। 16–11–77 को यह वहां से वापस आई। उसके बाद इसे हमने चौकसी विभाग को भेज दिय। चौकसी विभाग ने उस पर अम्बाला चौकसी विभाग को आर्डर किये कि वह इस बारे में छानबीन करे। 13–1–78 को वह रिपोर्ट वहां से आई थी। लेकिन उसके कुछ प्वायंट पर कलैरिफिके ान मांगी गई है। उनको यह भी कहा है कि वे भीघ्र रिपोर्ट भेजैं इसको हम ऐक्सपीडाइट कर रहे है।

सरदार सुखदेव सिंहः स्पीकर साहब, कांग्रेस राज में डबवाली के इम्पूवमैंट ट्रस्ट में भी गबन हुआ था। उसकी इंक्वायरी भी विजिलैन्स डिपार्टमेंट कर रहा था। क्या मंत्री जी बतायेगेंकि उसकी क्या पोजी ान है?

चोधरी राम लाल वधवाः मेरे नोटिस में यह बात नहीं हैं अगर माननीय सदस्य इसके लिये नोटिस देगें तो जवाब दे दूंगा या ये मुझे मेरे आफिस में मिल ले। इन्हें उसकी पोजि न बता दूंगा।

श्री सुमेर चन्द भट्टः क्या मंत्री महोदय बतायेगें कि वह किस किस्म की ि ाकयात थी?

श्री अध्यक्षः पहले मंत्री महोदय यह बताये कि मैयरमेंट बुक क्या हेाती है?

चौधरी राम लाल वधवाः कान्ट्रैक्टर जो भी काम करता है वह एक किताब में दर्ज होता है उसको एम0बी0 कहते हैं ि ाकायत इस तरह की है कि कान्ट्रैक्टर चेयरमैन के साथ मिल लिया और एम0बी0 को बदल कर नई एम0बी0 लगा कर उसको नाजायज तोर पर फायदा पहुंचाना चाहता थ।

चौधरी हरस्वरूप बूराः क्या मंत्री महोदय बताने का कश्ट करेगे कि जिस चेयरमैन , इमप्रूवमैंट ट्रस्ट , के खिलाफ इन्कवायरी की जा रही है उसमें कान्ट्रैक्टर भी भाामिल है?

चौधरी राम लाल वधवाः कम्लेन्ट अध्यक्ष के खिलाफ हैं वह चौकसी विभाग के भेजी हूई है। रिपोर्ट आने पर पता चलेगा

कि अया उसमें कान्ट्रैक्टर भी भाामिल है या नहीं। जो भी इनवाल्वड होगा उसके ख्लिाफ ऐक ान लिया जायेगा।

श्री दीपचन्द भाटियाः स्पीकर साहब, मिनिस्टर महोदय ने जवाब दिया है कि दो सल से यानि 6–6–77 से चेयरमैन के खिलाफ कम्पलैन्ट दर्ज की हुई है। मैं मिनिस्टर महोदय से जानना चाहता हं कि क्या पांच साल में इन्क्वायरी पूरी हो जायेगी?

चौधरी राम लाल वधवाः पांच साल की बात तो बहुत दूर है। मैं इस अप्रैल तक कोि ा ा करूंगा कि विजिलैन्स डिपार्टमेंट से इन्क्वायरी पूरा हो कर आ जाये।

श्री भलेरामः स्पीकर साहब, मे ंमिनिस्टर महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या पीछे जो इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट तोड़े गये थे वे इन्क्वायरी होने की वजह से तोड़े गये थे या कोई और कारण था?

चौधरी राम लाल वधवाः वैसे तो इस सप्लीमेंटरी का इस सवाल से सम्बन्ध नहीं है लेकिन जनता सरकार ने जो चेयरमेन बनाये थे उनके खिलाफ कोई ि ाकायत नहीं थी।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलूः स्पीकर साहब, जनता सरकार ने जिन इम्प्रूवमैंट ट्रस्टस को तोडा था क्याउनमें फिर से नये चेयरमेन बनाने की प्रोपोजल है?

श्री अध्यक्षः इस सवाल का मूल प्र न से कोई सम्बन्ध नहीं है।

Shri Surrender Singh: This is a matter of policy.

Mr. Speaker: It has got no connection with the main question.

Shri Surrender Singh: I so concede that. But the Minister is supposed to know the policy of the Government.

Mr. Speaker: I do not see the relevance of it. The question is very specific as to whether any enquiry is pending regarding the duplicate measurement book in connection with the building of Improvement Trust Jagadhri----------

Shri Surrender Singh: This is a policy matter and the Minster is supposed to know the policy.

Mr. Speaker: I is a policy matter and supplementary cannot be asked on a matter of policy. It should be relevant to the main question.

श्री सुरेन्द सिंहः लोगों मे यह धारणा बनी हुई है कि इन इम्प्रूवमेंट ट्रस्टस में बडी धांधली मची हुई हैं।

श्री अध्यक्षः यह अलग सवाल है। अगर आप नोटिस देगें तो उसे मैं अव य एडमिट करूंगा। लेकिन आप सभी इम्प्रूवमैंट ट्रस्टों के बारे में पूछ रहे है जब कि सवाल केवल जगाधरी इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट का है। (विघ्न)

चौधरी राम लाल वधवाः अध्यक्ष महोदय, मैं यह कनफयुजन खत्म कर देता हूं। हमारे रिजिम में बनाये गये चेयरमैनों के खिलाफ किसी किस्म की ि ाकायत नहीं है। अगर आप पुछना ही चाहते है तो करनाल इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट के चेयरमैन श्री सुरजीत सिंह मान और जगाधरी के चेयरमेन के खिलाफ ि ाकायतें दर्ज हैं, जो कांग्रेस राज के टाईम में थें।

श्री अध्यक्षः मैं मैंबर साहिबान से दरखास्त करूंगा कि सप्लीमैंटरी का सम्बन्ध डायरेक्टली मेन क्वै चन से होना चाहिये। जो सप्लीमेंटरी मेन क्वै चन से सम्बन्धित नहीं होगा उसके बारे में मुझे खेद है, मै उसे अलाउ नहीं कंरूगा।

श्रीमती भाकुन्तला भगवाड़ियाः स्पीकर साहब, मैं आपके जरिये मिनिस्टर महोदय से जानना चाहती हूं कि जब जनता सरकार में किसी चेयरमैन के खिलाफ कोई ि ाकायत हीं नहीं थी तो फिर इनको क्यों हटाया गया? (विघन)

(इस प्र ान का उत्तर नहीं दिया गया)

श्री फतेह चन्द विजः मैं मिनिस्टर महोदय से जानना चाहता हूं कि जगाधरी इम्प्रूवमेंट के चेयरमैन के खिलाफ दो साल से इन्क्वायरी पैंडिग है, क्या इस बारे में चौकसी विभाग को रिमाइन्डर वगैरह दिया गया है कि इनक्वायरी रिपोर्ट जल्दी भेजें।

श्री अध्यक्ष्ज्ञः रिमाइन्डर्ज के बारे मे ंयहां पर पूछना उचित नही ंहै।

श्री गुलजार सिंहः मंत्री महोदय ने अभी बताया है कि हजस सतरह से जगाधरी के अन्दर गबन हुआ है उसी तरह से करनारल में भी हुआ हैं क्या मंत्री जी बतायेगें कि वहां पर जिसने गबन किया हे उसके खिलाफ क्या कुछ ऐक ान लिया जा रहा हैं?

.

श्री अध्यक्षः इस सवाल का मेन क्वै चन से कोइ सम्बन्ध नहीं है।

डा0 बृज मोहन गुप्ताः स्पीकर साहब, जगाधरी में दो मार्किटस बनायी गई है। एक मार्किट का नाम इन्दिरा मार्किट है और दूसरी का नाम बंसी लाल मार्किट हैं । अभी इन दोनों के नाम नहीं बदले हैं दूसरे इन्दिरा मार्किअ तो बन चुकी है लेकिन बंसी लाल मार्किट आज भी अधूरी पडी हैं तो मैं जानना चाहता कि वह कब तक कम्पलीट हो जायेगी?

चौधरी राम लाल वधवाः जो अधूरी पडाी है उसे भी पूरा करेगे।

चौधरी हरस्वरूप बूराः क्य मिनिस्टर महोदय बतायेगें कि कितने हजार के गबन की इन्क्वायरी है?

चौधरी राम लाल वधवाः चौकसी विभाग से रिपोर्ट आने के प चात पला लगेगा कि कितना अमाउन्ट इन्वाल्वड हैं।

चौधरी जगजीत सिह पोहलू: क्या सरकार इम्प्रवमैंट ट्रस्टस के चेयरमैंन दुबारा बनायेगी?

(इस प्र न का उत्तर नहीं दियागया)

श्री अध्यक्ष: आनरेबल मैंबर्ज , आज केवल पांच सवाल थे जो अब खत्म हो गये है। ऐसा लगता है कि आज मैंबर साहिबान की काफी सन्तुश्टि हो गई होगी।

अतारांकित प्र न एवं उत्तर

Air-Trips by Principal Secretary to the Chief Minister

281. Dr. Brij Mohan Gupta: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the total number of air-trips outside and inside the Haryana State which have been undertaken by the Principal Secretary to the Chief Minister after the formation of Janata Party Government;

(b) the number of air-tirps out of those referred to in part (a) above undertaken fro official and private pruposes, separately; and

(c) the total expenditure incurred by Government on the said air-trips?

मुख्य मंत्री (चौधरी देवी लाल): वांछित सूचना निम्न प्रकार है:—

(क), (ख) और (ग) : इन यात्राओं/ वापसी यात्राओं की संख्या पांच है। इन में मुख्य मंत्री के साथ की गई यात्रायें भाामिल नहीं है। यह यात्राएं सरकारी कार्यो के लिये की गई और इस अधिकारी के लिय हवाई यात्राओं का खर्चा 5692 रूपये 55 पैसे हुआ।

ध्यानाकर्शण सूचनायें

1. राश्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की अभिकथित कार्यवाहियों सम्बन्धी

श्री भाम ोर सिंहः स्पीकर साहब, मैने कल भााम को एक काल अटैन ान मो ान दी थी।

श्री अध्यक्षः आपनें तो तीन चार काल–अटैन् ान मो ान्ज दी हुई हैं आप किसके बारे मे पता करना चाहते है?

श्री भाम ोर सिंहः एक व्हीट प्राईस के बारे में है.....
.....

श्री अध्यक्षः आपने जो काल अटैन् ान मो ान दिया था, I have disallowed that. If you want to know the reasons, I can read them out. जो आपका काल अटैन् ान मो ान किसी पोलिटीकल पार्टी, पोलिटीकल आग्रेनाईजे ान या सैमी–पोलिटीकल आग्रेनाईजे ान के सम्बन्ध में था, वह इन ग्राउन्डज पर डिस अलाउ किया गया है।

One of the provisions in the Constitution is of "Equality before Law." It says "The State shall not deny to any person equality before the law or the equal protection of laws within the territoty of land". There is also provision about protection of certain rights regarding freedom of speech etc. which says-

(1) all citizens shall have the right-

(a) to freedom of speech and expression.

(b) to assemble peaceably and without arms;

(c) to form association or unions;

etc.etc.

In the light of these specific provision guaranteed under the constitution, I have not allowed the call attention notice that has been given by you.

Shri Shamsher Singh: You have not referred the subject matter of the call attention motion.

श्री अध्यक्ष: काल अटैन ान मो ान जो इन्होने दिया था, उसका सब्जैक्ट मैटर यह था कि नागपुर मे एक मीटिग हुई थी, उसमें आर0एस0एस0 की कुछ आलोचना की गयी थी, उसके बारे में इन्होने काल अटैन ान मो ान दिया था। मैं यह समझता हूं कि आर0एस0एस0 के बारे में, यानि किसी भी पोलिटीकत पार्टी या सैमी पोलिटिकल आर्गेनाईजे ान के बारे में हाउस में काल

अटैन ान मो ान एडमिट करना उचित नहीं है, इसिलये मैने उसको डिस–अलाउ कर दिया है।

श्री भाम ोर सिंहः स्पीकर साहब, मैने नागपुर के बारे में तो नहीं दिया था, मैने तो हरियाणा के बारे में दिया था कि हरियाणा के मुखतलिफ डिपाटमेंट में, युनिवर्सिटीज में, स्कूलों और कालेजिज में आर0एस0एसव0 के लोग भर्ती हो रहे है। मैने नागपुर के बारे मे कोई काल अटैन ान मो ान नहीं दिया था।

उद्योग मंत्री (डा0 मंगल सैन): अध्यक्ष महोदय, काल अटैन ान मो न, अगर कोई इम्मीजीयेट या अरजैन्ट मामला हो, तो गवर्नमेंट का ध्यान आकर्शित करने का एक जरिया है। इस तरह से थोडे किया जा सकता है, जिस तरह से ये कर रहे है। इनको तो आर0एस0एस0 का फोबिया हो गया है।

Mr. Speaker: That has been disallowed.

चौधरी संत कंवरः स्पीकर साहब, कमुनल तो ये खुद है लेकिनकह हमें रहे है। पिछले महीने कांग्रेस के हरियाणा के वाइस प्रैजीडेंट पंडित चिरंजी लाल भार्मा ने एक ब्राह्माणों ने जाटों के खिलाफ मोर्चा बनाना है।

श्री अध्यक्षः चौधरी संत कवंर, उसका इससे कोई सम्बन्ध नहीं है। इस समय जो काल अटैन ान मो ान हाउस के सामने है, वह रिजैक्ट हो चुका है। इस पर फरदर डिस्क ान नहीं हो सकती।

श्री भाम ारे सिंहः यहां पर यह कहा गया है.....
.....। (व्यवधान तथा भाोर)

Mr. Speaker: Nothing regarding this call attention motion, except my ruling that it has been disallowed for the reasons given, be recorded.

श्री भाम ोर सिंहः .....
.....

2. **कृशि उपज की कम कीमतों तथा कृशि इन–पुटस तथा कंज्युमर गुडज की चढ़ती हुई कीमतों सम्बन्धी**

श्री अध्यक्षः एक और काल अटैन ान मो ान श्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला तथा कुछ और महानुभावों की तरफ से था Concerning the low agricultural prices and ever soaring prices of inputs and consumer goods. I have disallowed it because this matter has already been discussed in the House and the Minister concerned made a statement in the House on the 16th March, 1979, in respect of support price of wheat etc. सदन को याद होगा कि श्री हर स्वरूप बूरा का एक काल अटैन ान मो ान पौटैटो तथा दूसरी एग्रीकल्चरल प्रोडयुसिज की प्राईस के बारे में था जिसके उपर मंत्री महोदय ने 16 मार्च को कम्प्रीहैंसिव स्टेटमेंट दी थी। उसके बाद आगे और कोई डिवैल्पमेंट नहीं हुई है। इसलिये मैने यह काल अटैन ान मो ान डिसअलाउ कर दिया है।

श्री भाम ेर सिंहः स्पीकर साहब, एग्रीकल्चर प्राईस कमी ान ने व्हीट की प्राईस 115 रूपये प्रति क्विंटल रिकमेंड की है। हम जानना चाहते कि सरकार उसके बारे में कया कर रही है या करना चाहती है क्याकि हरियाणा में व्हीट की प्रोडक ान प्राईस इससे कहीं ज्यादा है। (व्यवधान एंव भाोर)

Mr. Speaker: That is outside the purview of this House.

श्री भाम ेर सिंहः स्पीकर साहब, पहले इस बारे में कोई काल अटैन ान मो ान नहीं आयी थी और न ही मंत्री महोदय ने जवाब दिया है कयोकिं उस वक्त एग्रीकल्चर प्राईस कमी ान की रिपोर्ट भी नहीं आयी थी। यह काल अटैन ान मो ान सिर्फ व्हीट प्राईस के बारे में है जो कमी ान ने 115 रूपये रिकमेंड की है।

Mr. Speaker: If you want to say anything about the ruling, you may kindly meet me in my Chamber and discuss it with me. But for the present my decision stands that the call attention motion is disallowed.

3. पंजाब स्टेट री–आर्गेनाइजे ान एक्ट, 1966 के अधीन कारपोरेट बौडीज में हरियाणा के हिस्से सम्बन्धी

श्री अध्यक्षः एक और काल अटैन ान मो ान श्री भाम ेर सिंह सुरजेवाला की तरफ से आयी थी जो पंजाब स्टेट री–आगेनाईजे ान एक्ट 1966 के सैक ान 72 के तहत कारपोरेट

बोडीज यानि पंजाब यूनिवर्सिटी, चण्डीगढ़ और पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट चण्डीगढ़ के बंटवारे के बारे में थी।.....

श्री भाम ोर सिंहः स्पीकर साहब, डिवीजन के बारे में तो नही हैं।

श्री अध्यक्षः एक्ट के तहत हरियाणा को जो 40 प्रति त भोयर इन बौडीज में मिला था, उसके सम्बन्ध में है।

श्री भाम ोर सिंहः डिवीजन का भाब्द कहीं नही है। इन बौडीज में हरियाणा का भोयर लेने के बारे में है।

श्री अध्यक्षः यह इन वजूहात की बिना पर डिसअलाउ कर दिया गया है:

(a) It raises more than one matter.

(b) It does not fall within the responsibility of the State Government.

(c) It is not a matter of recent occurrence.

रीसैन्ट अकरैंस वह होता है जो हाल ही में हुआ हो लेकिन इस एक्ट को लागू हुये तो 10–15 साल से ज्यादा हो गये है। यह रीसैन्ट अकेरैंस का मामला नहीं है।

(d) It relates to an autonomous/statutory body and its day-to-day internal administrative matters.

श्री सुरेन्द्र सिंहः आपने कहा है कि यह एक से जयादा मैटर्ज को डील करता है। मेरी अर्ज यह है कि इसमें तो एक ही मैअर है कि इन बौडीज में हरियाणा का पुरा भोयर होना चाहिये जो एक्ट के तहत 40 प्रति ात निि चत किया गया है।

श्री अध्यक्षः इसमें भाशण देने की गुजाइं ा नहीं है । My ruling is quite clear and there can be no discussion on it.

Shri Surrender Singh: I am only submitting to the House that if should recommend to the Central Government.....

Mr. Speaker: You cannot discuss that call attention motion. I have given my ruling and there can be no discussion on it. If you want to say anything on my ruling. You kindly see me in my Chamber;

श्री भाम ोर सिंहः स्पीकर साहब, फाजिल्का और अबोहर में पजांबी कम्पलसरी पढाई जा रही है जिससे हरियाणा को काफी नुकसान होगा तथा पंजाब यूनिवर्सिटी और पंजाब तथा हरियाणा हाई कोर्ट में हरियाणा का पूरा भोयर नहीं मिल रहा है.... .....।

श्री अध्यक्षः मेरी रूलिंग फाईनल है तथा इस पर हाउस में कोई डिसक ान नहीं हो सकती। अगर आपने कुछ कहना है तो आप बड़ी खु ाी से मेरे चैम्बर में मिल सकते है और डिस्क्स कर सकते है।

Mr. Speaker: Now the Chairman of the Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribus will present the report of the Committee.

चौधरी वीरेन्द्र सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब, मैनें हरियाणा में.....
.....

श्री अध्यक्षः यह बात खत्म हो चुकी है। आप बैठिये। I will not allow any discussion on my ruling.

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः .....
....(विघ्न)

Mr. Speaker: I have quoted the rule that anything relating to any political organization or semi-political organization cannot be discussed on the floor of the House. (Interruptions)

चौधरी बीरेन्द्र सिंह : .....
..... आप हमारी पूरी बात तो सुन लीजिये। (व्यवधान)

Mr. Speaker: Your point of order is disallowed. Please sit down.

सहकारिता तथा दुग्ध विकास मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, आपने एक रूंलिग दे दी और मो न डिसअलाउ कर दी। उसके बाद ये बार–बार खडे होकर एक पार्टी का नाम लेकर खामखाह एक बात को उछालने की कोि । । कर

रहे है। मेरी प्रार्थना है कि जो इन्होने कहा है वह हाउस की कार्यवाही से निकाल दिया जाना चाहिये।

Mr. Speaker: I think, the House had sufficient time to blow nout hot air. Now I would request that some semblance of order and discipline should be restored.

मुख्य मंत्री (चौधरी देवी लाल): स्पीकर साहब, जिस हिसाब से ये लोग हाउस की कार्यवाही में दखल दे रहे है यह ठीक नहीं है। ये लोग वाक आउट तो करना चाहते है लेकिन यह चाहते है कि आप इन्हें नेम कर दें ताकि इनका नाम अखबारों में आ जाये। आप इनके साथ रियायती बर्ताव कर रहे है लेकिन उसके बावजूद भी ये इतना भाोर कर रहे है।

श्री भाम ोर सिंहः जो लीडर आफ दि हाउस ने कहा है उस पर हम स्ट्रौंगली प्रोटैस्ट करते है। We are speaking in the exercise of our right. Kindly listen to our view point---------

श्री अध्यक्षः मैंने आपका कोई पवायंट आफ आर्डर डिसअलाउ नहीं किया है। आपको बोलने का पूरा मौका दिया हे लेकिन जब चार–पांच साहिबान इकट्ठे होकर बोलने लगे ंतो न मेरी समझ में कोई चीज आ सकती है और न ही हाउस की समझ में कोई चीज आ सकती है और हाउस के डिस्पिलिन के लिहाज से भी यह ठीक नहीं है।

श्री भाम ोर सिंहः स्पीकर साहब, आप मेरी बात तो सुन लीजिये।

चौधरी देवी लालः स्पीकर की रूलिंग पर न तो कोई प्वायंट आफ आर्डर रेज किया जा सकता है। और न ही कोई डिस्क ान की जा सकती है। (विध्न)

श्री अध्यक्षः जो मैनें काल अटैन ान नोटिस पर रूलिंग दी है उस पर कोइ प्वायंट आफ आर्डर रेज नहीं हो सकता है। मैं कोई रिजिड तरीके से काम नहीं करता। अगर आपने मेरी रूलिंग के बारे में कोइ बात कहनी है तो आप कृपया बडी खु ी से मेरे चैम्बर में आकर मेरे से चाहे घटां/दो घंटे डिस्क ान कर सकते है। मैं आपका प्वांयट आफ व्यू सुनुंगा और उस पर पूरे तौर से विचार करूंगा लेकिन हाउस के अन्दर मेरी रूलिंग पर न कोई पवायंट आफ अार्डर और न ही डिसक ान अलाउ की जा सकती है। (ोर)

श्री भाम ोर सिंहः स्पीकर साहब, आप हमारी बात तो सुन लीजिये।..(विघ्न एवं भाोर)

Mr. Speaker: I am sorry, I havbe already given my ruling on the call attention notice. I will not entertain any point of order on my ruling. Your point of order is disallowed and nothing will be recorded.

श्री भाम ोर सिंहः ....

Mr. Speaker: If any hon. Member wants to discuss anything about my ruling, he may kindly come to my Chamber.

श्री मांगे राम गुप्ताः स्पीकर साहब, मेरा एक प्वायंट आफ आर्डर है कि मैने 14 तारीख को हरियाणा से ''गऊ निकास पर पाबन्दी'' के बारे में एक रैजाल्यू ान भेजा था और छुट्टी होने की वजह से आपके दफतर में वह 17 तारीख को मिला। वह रैजोल्यू ान यह कह कर रिजैक्ट कर दिया गया चूंकि रैजोल्यू ान देने के लिय पनद्रह दिन का नोटिस होना जरूरी है इसलिये 29 तारीख को यह लिस्ट पर नहीं आ सकता हैं लेकिन जो लिस्ट आज मैं देख रहा हूं। उसमें कल के दिये हुये रैजोल्यू ान आज की लिस्ट पर आ गये है जबकि मेरा रैजोल्यु ान पन्द्रह दिन न होने के कारण से रिजैक्ट कर दिया गया।

श्री अध्यक्षः आप इस सम्बन्ध में मेरे से चैम्बर में मिलें। इस समय इस पर कोई बात करना हाउस का समय पश्ट करने वाली बात है।

श्री भाम ोर सिंहः स्पीकर साहब, आज के ऐजेन्डा पर मेरा रैजोल्यू ान है लेकिन आज की लिस्ट आफ बिजनैस न तो मुझे कल भााम को मिली ओर न ही आज सुबह दी गइ है यह मुझे डेलिब्रेटली नहीं भेजी गई है। आप इसकी पड़ताल करें।

Mr. Speaker: I will enquire into the matter.

श्री देवेन्द्र भार्मा: स्पीकर साहब, आप बडे लिबरल आदमी है भाायद मिललिटरी में रहने के कारण लिबरल हो गये है। कल हमरे एक सीजन्ड ओर बुजुर्ग आदमी ने ने ानल करैक्टर बिल्डिंग की बात कही थी। यह कैसा करैक्टर बिल्डिंग्र है कि दस एम0एल0एज0 यहां खडे होकर भाोर करने लगते है। आप कम से कम एम0एल0एज0 के लिये रिस्ट्रिक ान लगा दें कि एम0एल0ए0बनने से पहले उन्हे मिलिटरी की ट्रेनिंग लेनी चाहिये या एन0सी0सी0 की ट्रेनिंग लेनी चाहिये।

श्री सुरेन्द्र सिंह: स्पीकर साहब, यह बारबार एम0एल0एज0 को तजुर्बे ओर मिलिटरी की ट्रेनिंग की बात कह रहे है। (ाोर)

श्री अध्यक्ष: इन्होने एक साइड के लिये नहीं कहा है सब के लिये कहा है।

Shri Surrender Singh: He exhibits his own character and needs proper training.

वाक आउट

चौधरी बीरेन्द्र सिंह: आन ए प्वायंट आफ आर्डर। स्पीकर साहब, आप हमारी बात तो सुने। हमने तो स्टेट में आर0एस0एस0 की एक्टीवीटीज (ाोर एवं विघ्न)

Mr. Speaker: You are again raising an irrelevant point of order. Please take your seat.

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है.....

श्री अध्यक्षः मैं पहले कह चुका हूं कि मेरी रूलिंग पर कोई प्वांयट आफ आर्डर रेज नहीं हो सकता। अगर आप इस विशय में कोई बात करना चाहते हो तो आप मेरे चैम्बर में आकर मेरे से बात कर सकते हो।

(इस समय अपोजी ान बैंचिज की तरफ से बहुत से सदस्य खडे हुये)

Mr. Speaker: Order please. There can be no discussion on my ruling.

आवाजें: स्पीकर साहब, अगर आप हमारी बात नहीं सुनना चाहते तो हम इसका विरोध करते हुये वाक आउट करते है।

(इस समय सर्वश्री भाम ारे सिंह, बीरेन्द्र सिंह, सुरेन्द्र सिंह, दलीप सिंह, नारायण सिंह, जगजीत सिंह पोहलू, तथा मांगें राम गुप्ता सदन से उठ कर चले गये) (ाोर)

श्री अध्यक्षः आर्डर प्लीज। माननीय सदस्यगण, मैं यह कहना चाहता हूं कि हमारे जो साथी अपोजी ान बैंचिज पर बैठते है उनका जितना हम बनता है वह मैं अपनी तरफ से दुगना देता हूं यानि आजकल की हालत को देखते हुये मैं उनको बोलने के लिये दुगना टाईम देता हूं ओर दुगनी सहूलियत देता हूं लेकिन

मेरे को समझ नही आया कि वे किस बात पर वाक आउट कर गये है। अगर उन्होने काल अटैन ान मो ान पर मेरी रूलिंग के खिलाफ वाक आउट कियाहै तो यह बडे अफसोस की बात है। मैं तो उनके साथ बड़ी नरमी बर्त रहा हूं फिर भी वे एसा कर रहे है?

मुख्यमंत्री (चौधरी देवी लाल): स्पीकर साहब, मैने तो यह पहले ही कह दिया था कि ये ऐसी हालत पैदा करना चाहते है कि आप इनको नेम करें। अच्छा किया आपने इनको नेम नहीं किया और वे अपने आप चले गये।

उद्योग मंत्री (डा0 मंगल सैन): स्पीकर साहब, कांग्रेस राज में हम भी इस सदन के सदस्य रहे और उस टाईम के स्पीकर साहब भी थे लेकिन जितना लिबरली और उदारता से आप इनको सुनते हे यह लोकतन्त्र में आपने एक अच्छी मिसाल कायम की है। इसके लिये आप बधाई के पात्र है। ये लोग इतना हुडदंग मचा रहे है लेकिन फिर भी आप इतने उदर है लकिन उस समय जब हम बोलते थे तो उस समय के मुंख्य मंत्री कह देते थे कि इसको अभी संस्पैड किया जाये। लेकिन हमारे मुख्यमंत्री जी बहुत उदार है और आप भी बहुत उदार है। मैं तो यह कहूंगा कि हमारी जनता पार्टी डैमोक्रेसी के सिद्धातों को कायम रखने के लिये भी बधाई की पात्र है। मैं आपको एक बार फिर बधाई देता हूं कि इतनी बाधाओं के बावजूद भी आप योग्यता से हाउस का काम निभा रहे है।

चौधरी लाल सिंहः स्पीकर साहिब, आपकी इतनी भाराफत के बाद भी ये इस तरह से करते है। अब तक तो पिछली सरकार ने जनता को परे ाान किया था और अब ये हाउस को परे ाान कर रहे है ं। इसलिये मैं कहना चाहता हूं इनका कोई पक्का इन्तजाम होना चाहिये।

श्री देवेन्द्र भार्माः स्पीकर साहब, जब हम मीसा में बन्द थे तो वहां पर हमें सिवाये बी0बी0सी0 सुनने के ओर कुछ नहीं मिलता था। उस समय का मुझे एक किस्सा याद आ रहा है कि एक मिनिस्टर किसी सभा में बोल रहा था तो पीछे से किसी ने उसके उपर गुब्बारा फेंक दिया । तो उस मिनिस्टर ने पुलिस को बीच में नही आने दिया और कहा कि मैं गुब्बारा करने वाले से खुद बात कर लूंगा। उसने कहा कि असली डैमोक्रेसी यही हैं लेकिन स्पीकर साहब, आज जो हमने इनका डिस्पिलन देखा इसके बारे में आपको कुछ करना चाहिये।

स्थानीय भाासन मंत्री (चौधरी राम लाल वधवा): स्पीकर साहब, मैं पिछली सरकार के टाईम को याद कर रहा हूं। उस टाईम प्वायंट आफ आर्डर मैं भी करता था लेकिन स्पीकर साहब की रूलिंग के बाद, अगर मैं खड़ा हो जाता था तो पोसवाल साहब अब भी यहां मोजुद है इनसे पूछलो, उसी समय कह दिया जाता था कि इसको बाहर निकालने के कागज तैयार करे। लेकिन स्पीकर साहब, आपने डैमोक्रेसी को सही मायनों में लागू किया है। हाउस का डैकोरम कायम रखने के लिये उन लोगों को भी इस

पर विचार करना चाहिये और आप भी थोडा सा इस बारे में देखें कि हाउस का डिस्पिलन कायम रहे। आप उनके साथ बहुत नर्मी बर्त रहे है लेकिन वे फिर ऐसा कर रहे है।

कमेटी आन दि वैल्फेयर आफ ि ाडल्यूड कास्टस एंड ि ाड्यूल्ड ट्राइब्ज की चौथी रिपोर्ट पे ा करना

चौधरी गया लाल (चेयरमैन अनुसूचित जातियों तथा जनजातियों के कल्याण संबंधी समिति): स्पीकर साहब, मैं वर्श 1978–79 के लिये हरियाणा विधान सभा की अनुसूचित जातियों तथा जनजातियों के कल्याण संबंधी समिति की चौथी रिपोर्ट (इसके अनुबन्ध सहित) की टाईप की हुई प्रति सदन में पे ा करता हूं।

गैर–सरकारी प्रस्ताव

1. राज्य में उच्च भारा प्र ाासन में वृद्धि रोकने के लिये आई0एम0एस0 काडर की संख्या में और वृद्धि न करने सम्बन्धी (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष: अब 8 मार्च को श्री कंवल सिंह, एम0एल0ए0 द्वारा पे ा किये गये रैजोल्यू ान पर बहस जारी होगी। इस रैजोल्यू ान पर उस दिन चौधरी संत कंवर बोल रहे थे, वे कृपया अपना भाशण जारी करें।

चौधरी संत कवंर (हसनगढ़): स्पीकर साहब, चौधरी कंवल सिंह जी ने जो प्रस्ताव पे ा किया है कि हरियाणा में आई0ए0एस0 काडर की संख्या न बढाई जाये और हैवी एडमिनिस्ट्रे ान को कम किया जाए। मैं इस पर पाचं सात मिनट अपने विचार रखना चाहता हूं। हमारी सरकार आने के बाद जिन आई0ए0एस0 अफसरों की 9 सल की सर्विस थी उन सब को जवांयट सैक्रेटरी के रैंक पर प्रोमोट कर दिया गया है। इससे सरकार के उपर 250 रूपये प्रति मास एक अफसर के हिसाब से खर्च पडा हैं पीछे पंजाब और हरियाणा के अन्दर डिप्टी कमि ानर्ज भी अंडर सैक्रेटरी के रैंक के होते थे ओर आज भी अंडर सैंक्रेटरी के रैंक के है लेकिन सैंट्रल गवर्नमेंट में दस साल की सर्विस के बाद अंडर सैक्रेटरी का रैंक दिया जाता है और हमारे यहां 9 सल की सर्विस के बाद यह रैंक दे दिया गया है। इससे प्रान्तीय सरकार के उपर फाइनैं ाल बोझ पडा है। सपुलिस के अन्दर हमारे आई0जी0 साहब आज भी ज्वांयट सैक्रेटरी रैंक के है जबकि उसको सैक्रेटरी रैंक का होना चाहिये।वह सारे हरियाणा की पुलिस का एक जिम्मेदार अफसर है। वह तो ज्वांयट सैक्रेटरी के रैंक का है लेकिन दूसरे आई0ए0एस0 अफसर जिनकी 9 साल की सर्विस हो चुकी है उनको ज्वायंट सैक्रेटरी के रैंक का बना दिया गया है। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुये) इसलिये मैं सरकार के नोटिस में यह मामला लाना चाहता हूं कि आज आई0ए0एस0 अफसरों की भर्ती कम की जाये। पिछले दिनों आपने अखबार में पढा होगा कि 60 प्रति ात आई0ए0एस0 अफसर वे है

जिनके मां बाप पहले आई0ए0एस0 अफसर थे। इन 60 प्रतिशत में से 40 प्रति ात आई0ए0एस0 वे अफसर है जो पब्लिक स्कूलों में पढे हैं इस हैवी ऐडमिनिस्ट्र ान को कम करने की मांग इसलिये की जा रही है ताकि जो लोग दूसरे स्कूलों मे ि ाक्षा प्राप्त करते है या जो लोग हरियाणा की सर्विसीज में है उन लोगों को भी इस सर्विस में आने का मौका मिल सके। यह परसैटेज भी तब बनती है जबकि हमने 20 प्रति ात पोस्टें हरिजनों, बैकवर्ड क्लासिज ओर दूसरों के लिये रिजर्व रखी है। अगर यह रिजर्वे ान न होती तो आज उन अफसरों की परसैंटैज 60 की बजाये भाायद 80 होती, जिनके मां बाप पहले आईए0एस0 अफसर थे। डिप्टी स्पीकर साहब, मे ंयह बात मानता हूं कि हमारे बहुत सारे आफिसर ईमानदार हे और बहुत अच्छे है लेकिन मे ंएक बात चीफ मिनिस्टर साहब के नोटिस में लाना चाहता हूं । आठ साल पहले की बात है। अम्बाला में एक डी0सी0 होते थे। उनके पास दूसरे आई0ए0एस0 आफिसर्ज, जो ट्रेनिंग के लिये वहां भेजे गये थे, डिप्टी कमि ानर की कोठी में धान की खेती हो रही थी। उस धान की खेती को देखकर उन अफसरों मे से एक अफसर ने कहा कि आप की कोठी में बहुत घास हो रही है इसे कटा दिया जाये। कहने का मतलब यह कि जिन अफसरों को हरियाणा के कल्चर और एग्रीकल्चर आदि के बारे में मालूम नहीं है जो विभाग उनको सौपां जायेगा, उसकी जिम्मेदारी किस प्रकार सम्भालेगें? इसलिये चौधरी कंवल सिंह ने जो रेजोल्यू ान पे ा किया है कि आई0ए0एस0 केडर के अफसरों की संख्या कम की जाये, मैं इसका

समर्थन करने के लिये खडा हआ हूं। मैं ओर भी बहुत सी बातें कहना चाहता हूं हरियाणा की बहत सी कार्पोरे ान्ज में मैनेजिग डायररैक्अर आई0ए0एस0 आफिसर लगा रखे है। मैं मुख्यमंत्री जी के नोटिस में यह बात लाना चाहता हूं कि कई कार्पोरे ान घाटे में चल रही है। इसकी क्या वजह है? इन कार्पोरे ान्ज को घाटे में चलाने की जिम्मेदारी इन अफसरों पर ही है। डिप्टी स्पीकर साहब, जो आई0ए0एस0 अफसर धान की फसल को घास कह सकते है वे प्रदे ा का विकास किस प्रकार कर सकते है? आई0ए0एस0 अफसर एक एग्रीकल्चरिस्ट होना चाहिये। अगर इस प्रकार के मैनेजिंग डायरैक्टर लगाये ं जायेगें तो हम उम्मीद नहीं कर सकते कि कार्पोरे ंज फायदे में चलेंगी और इनसे स्टेट को फायदा होगा।

चौधरी पीरचन्दः आन ए प्वायंट आफ आर्डर। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरी समझ में नही आता कि इतने बडे केडर के लिये इन्होने इतनी अदनी बात कैसे कर दी है? इन अफसरों को सारे हिन्दुस्तान के बारे में बताया जाता है। इनका एक स्टैटस होता है, स्टैंडर्ड होता है, ये भला कैसे धान को घास कह सकते है? (इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य, चौधरी प्रताप सिंह ठाकरान, पदासीन हुये)

चौधरी संत कंवरः चेयरमैन साहब, चौधरी पीरचन्द जी मेरी बात को चैंलेज करें, इस आउस में चैलेंज करे। मैं ऐसे अफसरों के नाम बता सकता हूं और साथ ही गवाहियां दे सकता

हूं। चेयरमेन साहब, मेरे कहने का मतलब यह है कि जो कार्पोरे ांज घाटे में चल रही है उनका घाटे में चलने का कारण आई0ए0एस0 अफसर भी है क्योंकि वे पूरी जानकारी नहीं रखते है।। अगर एग्रीकल्चर से संबंधित कार्पोरे ान है तो एग्रीकल्चर से संबंधित क्लास के रहने वाले को, हरिजन को कार्पोरे ान का मैंनेजिंग डायरैक्अर बनाये। दूसरी सबसे बडी बात चेयरमैंन साहब, यहां जिस तरीके से मंत्री अपना विभाग संभालते है, उनकी जिम्मेवारी होती है अगर कोइ अफसर खराब काम करता है तो मंत्री उसकी ए0सी0आर0 खराब कर सकता है। कार्पोरे ान के मैंनेजिग डायरैक्टर को सारी पावर्ज है उसको कोई चेयरमैन चैलेंज नहीं कर सकता है, चेयरमैन की जिम्मेवारियों है लायबिलटीज है वह उसके उपर आती है परन्तु कोई भी अफसर उसके पास नहीं आता है कोई फाइल नहीं लाई जाती। चेयरमैन साहब, मेरी सरकार से प्रार्थना है कि चेयरमैन के पास इतनी पावर्स होनी चाहिये जैसे मंत्री के पास अफसर की ए0सी0आर0 लिखने की होती है वह उसकी ए0सी0आर0 लिख सकें चेयरमैन साहब, जब तक इस और ध्यान नहीं दिया जायेगा, काडर और भर्ती पर रोक नहीं लगाई जायेगी, तो इस हैवी एडमिनिस्ट्रे ान पर खर्च होता रहेगा। इसलिये यह जरूरी हो जाता है कि इस रैजोल्यू ान का`पास किया जावे। मुख्यमंत्री जी इस रैजोल्यू ान को पास करने के लिये पुख्ता कदम उठायें।

श्री भलेराम (बड़ौदा–अनुसूचित जाति): चेयरमैन साहब, जो आई0ए0एस0 के केडर की संख्या कम करने का प्रस्ताव पे ा किया गया है मैं उसका समर्थन करने के लिये खडा हुआ हूं। हरियाणा में 152 आई0ए0एस0 अफसर है हर महीने प्रति व्यक्ति 4–5 हजार रूपये लेता है। इस तरह लगभग 60 लाख रूपये हर साल इन पर लगाये जाते है सारे हिन्दुस्तान मे से 82 प्रति ात भाहरों से आई0ए0एस0 अफसर लिये जाते है और 18 प्रति ात देहातों से लिये जाते है। इसलिये जो देहात वाले है, हरियाणा के आई0ए0एस0 अफसर है और दूसरी स्टेटस को डैपूटे ान पर गये हुये है, उनको वापिस हरियाणा में बुलाया जाये ताकि वे अपनी स्टैट की सेवा कर सकें, उनको हरियाणा की सेवा करने का मौका दिया जाये। अगर हरियाणा के अफसर होगें तो वे गांवों का विकास करने में मदद करेगें, इस तरफ ध्यान देगे। यह ठीक है आई0ए0एस0 अफसर का एक स्टैडर्ड होता है। वह जिस माहौल में पढा लिखा होता है उसको सरकार भी मेनटेन करती है। परनतु सरकार की किसी आर्थिक नीति को इम्पलीमैंट करने के लिये अगर देरी होती है तो इनके कारण होती है। यह नहीं होनी चाहिये। जो फाईल दो दिन में पूरी होनी चाहिये वह दो महीने में होती है। वे अफसर उस नीति को इम्पलीमैंट करके सुधार करने की कोि ा ा करे। किसी भी सरकार की सफला और असफलता इन आई0ए0एस0 अफसरों पर ही होती है। कापौंरे ांज में ऐसे आई0ए0एस0 अफसर होने चाहिये जो देहात से हों। जैसे रूरल डिवैल्पमेंट कार्पोरे ान है। इसके नाम से ही जाहिर होता है कि

उसने गांवों के बारे में उनके विकास के बारे में सोचना हैं यहां जैसे सडकें बननो का काम है ओर भी बहुत से काम है। अगर वह देहात से पढकर आई0ए0एस0 बना है तो वह वहां कामयाब हो सकता है। चेयरमैन साहब, इन आई0ए0एस0 अफसरों को देहात का हित सोचना चाहिये क्योंकि उनको भी पता है कि जो तनख्वाहें वै लेते है वे सभी इन देहात के लोगों पर टैक्स लगा कर उनको मिल पाती है। गांवों में 80 प्रति ात लोग रहते है। इसलिये इन लोागें की तनख्वाह इनके सिर पर ही आती है। जेा सरकार की नीति है कि गांवों पर हम 45 करोड रूपये खर्च करें तो इन आई0ए0एस0 लोगों को इसको अच्छी तरह खर्च करना चाहिये ।इन भाब्दों के साथ मैं मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि जो देहात के आई0ए0एस0 अफसर है उनको वापिस हरियाणे में बुला लेना चाहिये। और इनकी संख्या से सरकार को परे ाानी नहीं होनी चाहिये इन भाब्दों के साथ मैं इस रैजोल्यू ान का समर्थन करता हूं।

श्री हरफूल सिंह (फतेहाबाद): चेयरमैन साहब, यह जो आई0ए0एस0 अफसरों के बारे में रैजोल्य ुन आया है मैं इसके समर्थन में बोलना चाहता हूं। हरियाणा स्टेट के हर डिपार्टमेंट का हैड एक आई0ए0एस0 अफसर है। हर डिपार्टमेंट का सैक्रेटरी आई0ए0एस0 अफसर है। चीफ इंजीनियर्ज की टैक्नीकल पोस्ट होती है लेकिन उसका हैड आफ दि डिपार्टमेंट एक नान–टैक्नीकल आई0ए0एस0 अफसर होता है। चाहे कोई भी महकमा है, चाहे

हपुलिस का महकमा है, चाहे बिजली का महकमा है , चाहे नहर का महकमा है जहां पर चीफ इंजीनियर होता है इन सब महकमों में आई0ए0एस0 अफसरों को हैड आफ दि डिपार्टमेंट लगाया हुआ है। ये आई0ए0एस0 अफसर आहिस्ता आहिस्त सब महकमों पर छा गये है। यदि कोई टैक्नीकल महकमा है तोवहां पर भी नान–टैक्नीकल आई0ए0एस0 अफसर ही हैड आफ दि डिपार्टमेंट होता हे। जब कोई आई0ए0एस0 अफसर टैक्नीकल पोस्ट के बारे में कुछ जानता ही नही ंतो उसको उस टैक्नीकल महकमें का हैड आफ दि डिपार्टमेंट नहीं लगाना चाहिये। चेयरमैन साहब, इसीलिये तो यह सारे काम खराब होते है कोकि जो आई0ए0एस0 अफसर टैक्नीकल काम के बारे में कुछ नहीं जानता उसको उसका हैड आफ दि डिपार्टमेंट लगा दिया जाता है। इसलियेमैं कहना चाहता हूं कि जो टैक्नीकल महकमें है उनमें टैक्नीकल अफसरों को ही लगाना चाहिये। दूसरे आई0ए0एस0 अफसरों को उनका हैड आफ दि डिपार्टमेंट नहीं लगाना चाहिये। दूसरी बात मै यह कहना चाहता हूं कि हरियाणा प्रान्त में बहुत ज्यादा कापोंरे ांज खोल दी गई है और उन सब के हैड आफ दि डिपार्टमेंट एम0डी0 है जोकि आई0ए0एस0 होते है। हरियाणा प्रान्त मे कार्पोरे ांज ज्यादा से ज्यादा 20–25 होगी और आई0ए0एस0 अफसर 152 है और इन आई0ए0एस0 अफसरों को खुद ही नहीं पता है कि हरियाणा के अन्दर कितनी कापोरे ांज है। इन आई0ए0एस0 अफसरों के लिये क्या होता है कि खोल दी कार्पोरे ांज लगा दिया एम0डी0। इस तरह से नहीं होना चाहिये। इसलिये मैं सरीकार से अर्ज करूंगा

कि कम से कम जिस आदमी को जिस महकमे के बारे मैं पूरी जानकारी हो उसी आदमी को उस महकमें का हैड आफ दि डिपार्टमेंट लगाना चाहिये। चेयरमैन साहब, अब मैं इनकी फैसीलिटीज के बारे में कहना चाहता हूं कि जिले में एक डी0सी0 आई0ए0 एस0 अफसर होता है उसका घरेलू काम करने वाले कम से कम 20 सरकारी कर्मचारी मिलेंगें। वह क्या करते है कोई माली का काम करता है, एक भैंस चराने का काम करता है, एक उसकी कार को साफ करता है औरएक उसके जूतों की पालि ा करता है। इस तरह से उसके चारों और बीसों आदमी चिपटे रहते है। चेयरमैन साहब, इसके बारे में सरकार से कहना चाहता हूं कि इन पर रोकथाम लगानी चाहिये। चेयरमेन साहब पिछले दिनों फूड एंड सप्लाईज महकमें के 171 आदमी बेकार हो गये। इनके बारे में मैंने जब मुख्यमंत्री जी से पूछा तो उन्होने कहा कि ये सब सरप्लस में चले गये। लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि क्या कभी ये आई0ए0एस0 अफसर भी सरप्लस हुये है? ये नहीं होते, क्योकिं इनके लिये कार्पोरे ांज खोल दी जाती है और एम0डी0 लगा दिये जाते है। मैडीकल के बारे में चाहे आई0ए0एस0 अफसर कुछ न जानता हो लेकिन डाक्टरों की ए0सी0अर0 भी आई0ए0एस0 अफसर लिखेगा। एक आई0ए0एस0 अफसर को नहर के ऐस्टीमेट के बारे मे कुछ नही पता होता लेकिन उसको नहर का हैड आफ दि डिपार्टमेंट लगा दिया जाता है जैसे वी0पी0 जौहर है वह बिजली बोर्ड के चेयरमैन है। इसलिये मैं सरकारसे अर्ज करनाचाहता हूं कि उसी आदमी को महकमे का हैड आफ दि

डिपार्टमेंट लगाना चाहिये जो उस महकमें के बारे मं परूी जानकारी रखता हो। इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं क्योंकि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

श्री देवेन्द्र भार्मा(थानेसर): मैं कुछ चटपटी बातें कहने के लिये खडा हुआ हूं। भाायद मेरी बात कुछ साथ्यिों को कूछ न लगे। हम इन आई0ए0एस0 अफसरों के पीछे इतने पड़े हुये है लेकिन मैं यह समझता हूं कि हम थोड़ी गलती करते जा रहे है। जाहं तक इन आई0ए0एस0 अफसरों का सवाल है मैं तो इनको बेसीकली इनटैलीजैंन्ट क्लास में गिनता हूं क्योकि कोई भी इस क्लास में सिफारि ा से नहीं आता जबकि एक आदमी एम0एल0ए0 बिना सिफारि ा के नहीं बनता। एम0एल0ए0 बनने के लिये लोगों के आगे हाथ जोडने पडते है उनसे कहते है कि चल भाई मेरी स्पोर्ट कर, चल भाई मुझे टिकट दिलवा लेकिन आई0ए0एस0 अफसर कोइ भी सिफारि ा से नहीं बनता। यह बैसीकली इनटैंलीज क्लास है। इसको अगर हम इग्नोर करके चलगें तो यह हमारे लिये ठीक नही है। रही बात टैक्नाक्रेटस की, इनका जहां तक ताल्लुक है, मैं चौधरी साहब की बात से बिल्कुल सहमत हूं कि जो टैक्नीकल जगह है वहां पर टैक्नोकेर्टस को ही लगाना चाहिये। आपकी मारफत चौधरी साहब को यह बता दूं कि टैक्नोक्रेटस भी आई0ए0एस0 के कम्पीटी ान में हिस्सा ले सकता है , एक एम0बी0बी0एस0 बन सकता है और इसी तरह एक इंजीनियर भी आई0ए0एस0 अफसर बन सकताहै लेकिन उनमें यह

हिम्मत होनी चहिाये कि वह कम्पीटीि ान में हिस्सा लें और आई0ए0एस0 बन करके दिखाये। चेयरमेन साहब, जहां तक आई0ए0एस0 अफसर का ताल्लूक है ये 50 परसैंट दूसरी स्टैट के होते है ओर 50 परसैंट उसी स्टैट के होते है। जैसे चार आई0ए0एस0 अफसर लेने है तो 2 उसी स्टेट के होगें ओर दो दूसरी स्टेट के होगें आई0ए0एस0 अफसर बहुत बडी़–2 पोस्टों पर होते है। जेसे हमारे डी0सी0 आई0ए0एस0 अफसर होते है ओर एस0डी0एम0 भी अमूमन आई0ए0एस0 होते है। (ोर) तो चेयरमैन साहब, इन पर पक्षपात का आरोप आसानी से लगाया जा सकताहै। अगर किसी भी लोकल आई0ए0एस0 अफसर को डी0सी0 लगा दिया जायेगा तो वह चीफ मिनिस्टर के कहने से एक इंच भी इधर उधर नहीं जा सकता चीफ मिनीस्टर चाहे चौधरी साहब है, चाहे कोई भी रहे वह चीफ मिनिस्टर क `कहने पर चलेगा। (ोर)

श्री हरफूल सिंहः चेयरमेन साहब, भार्मा जी ने बताया कि एक डाक्टर भी आई0ए0एस0 के कम्पीटी ान में आ सकता है। यह मैं मानता हूंकि आ सकता है लेकिन मैनें तो कहा था कि उसको उसी महकमें न लगायें जिसके बारे में वह पूरी जानकारी रखता है।

श्री देवेन्द्र भार्माः चेयरमेन सहाब, मेरी गुजारि ा इसमें यह है कि 50 परसैंट जो बाहर से आयेगे उनके उपर हम पक्षपात का आरोप नहीं लगा पायेगें । एक चीज मैं और मानता हूं कि

इनटैलीजैंसी और इन्टेग्रेटी के हिसाब से मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि ये आई0ए0एस0 अफसरन बहुत इनटेलीजेंट ओर ईमानदार होते है।

श्री हरफूल सिंहः चेयरमैन सहब, मैने इनके उपर कोई झूठा करप ान का इल्जाम नहीं लगाया है।

श्री देवेन्द्र भार्माः चेयरमैन साहब, बात कहने के लिये कूछ प्वांयट तो देने ही पडेगें। स्टैट में कोई भी काम हो, सरकारचाहे कांग्रेस की रहे, चाहे जनता की रहे ओर चाहे किसी पार्टी की रहे, अल्टीमेटलीसारी जिम्मेदारी आफिसर्ज के उपर जाती है। चेयरमैने साहब, एच0सी0एस0 अफसर या कोई क्लर्क परमोट करके डी0सी0 लगा देगें तोउनकी जिम्मेदारी क्या होगी। मैं एक बात कहना चाहता हूं कि इस तरह की बात करने से हमारे अफसर दिन प्रतिदिन डिमारेलाईज होते जा रहे है। इसको मै एकमिसाल देता हूं। पिछली सरकार का लोगों के दिमाग में यह इम्प्रै न है कि पिछली सरकार ने जो काम किये है अब ऐसे नहीं हैं मै। तो कहता हूं कि आज उनसे भी ज्यादा काम करने की कोि ाश की जाती हैं पहले कौन सा चीफमिनिस्टर 24 घंटे काम करने वाला था? हमारे चीफ मिनिस्टर साहब सारे दे ा में पहले चीफ मिनीस्टर है जोकि बहुत ज्यादा काम करना चाहते है। लेकिन उतना काम ये इसलिये नहीं करपाते क्योंकि ये अपने आफिसर्ज को कान्फिउैंस से नहीं चला पाये है। चीफ सैक्रेटरी सबसेस बडा आई0ए0एस0 अफसर होता है। और सबसब`छोटा अन्डर सैक्रेटरी

होता है। जिसको आजकल एस0डी0एम0 बनाया जाता है। चेयरमैन साहब, अगर कहीं झगडा हो जाता है उसकी न तो एस0पी0 जिम्मेवारी लेता है ओर न ही सैक्रेटरी जिम्मेवारी लेता है। अगर वह कहीं लाठी चार्ज का हुक्म दे दे औरउसके विरूद्ध इन्क्वायरी हो जाए तो उसको सस्पैंड कर दिया जायेगा। चेयरमैन साहब, मै एक बात ओर कहना चाहता हूं कि बाबू जगजीवन राम जी हिन्दुंस्तान के डिप्टी प्राईम मिनिस्टर है।` जब रोहतक में आये तो वहां पर जो कुछहुआ उसकी न तो डी0सी0 ने जिम्मेवारी ली और न ही एस0पी0 ने जिम्मेवारी ली। उसकी इनकवायरी भी हुई लेकिन अभी तक कुछ नहीं हुआ। (विघन) चेयरमैन साहब, इकोनोमी की बात भी यहां कही गई लेकिन इसके बारे में मैं अर्ज करना चाहता हूं कि वास्तव मं बडी भारी फजूलखर्च की जाती ह। कहीं पर सी0एम0 दौर पर जाये, प्राईम मिनिस्टर दौर पर जाये या राश्ट्रपति दौरे पर आ जाये तो बडे बडे इन्तजाम किये जाते है। सडकों की डैकोरे ान पर लाखों रूपया खर्च किया जाता है, रंग बिरंगे झंडियां, रंग बिरंगे बुर्ज बनाये जाते है और सारा पैसा बेकार में खर्च किया जाता है.....(विघन)

श्री सभापतिः आपकी बात आ गई है, अब आप बैठ जाइये। अब चौधरी रिजक राम बोलेगें।

चौधरी रिंजक राम (राई): चेंयरमैन साहब, इस प्रस्ताव पर पहले भी काफी चर्चा हुई और आज भी बहस जारी है। मेरे साथी चौधरी हरफूल सिंह तथा श्री संत कंवर ने कई पवांयट रेज

किये है। चेयरमैन साहब, किसी कारपोरे ान में या किसी अंडरटेकिंग में, जहां तक आई0ए0एस0 आफिसर लगाने का सवाल है, वह अन–ट्रेंड नहीं होना चाहिये, इससे कई ख्राबियां पैदा हो जाती है। असल में हरियाणा प्रदे ा में जो सबसे बडी कमी है वह है ट्रेंड होनी चाहिये, लेकिन ऐसा नहीं होता। हमारे मैनेजीरियल स्टाफ की बहुत ज्यादा कमी है। किसी कार्पोरे ान में लगने के बाद काम सीखना भाुरू करते है। जैसे भाूगर मिल में अन–ट्रेंड आदमी को लगा देते है औरजब तक वह काम सीखता है तब तक सारा ऐडमिनिस्ट्रे ान खराब हो जाता है। तो मेरा कहने का मतलब यह है कि जितनी भी कार्पोरे ांज है या पब्लिक अंडरटेंकिग है उन में ट्रेंनिग के बाद ही आई0ए0एस0 आफिसर्ज को लगाया जाये। यही कारण है कि आज मैंक्सिमम कार्पोरे ांज और पब्लिक अडंरटेकिग्ज घाटें में चल रही है और इनकी हालत सुधारने के लिये आत तक सरकार की तरफ से कोई कदम नहीं उठाये गये ओर न ही कभी सोचा गया कि ये घाटे में क्यो चल रही है। आई0ए0एस0 अफसर्ज कम हों या ज्यादा, इस पर हमारे वित्त मंत्री तथा मुख्मंत्री खुद ही विचार कर रहे होगें, मैं इसके बारे में जादा नही कहूंगा। मुझे पूरा वि वास है कि वे खुद ही सारे हालात को देखते हुये जो फैसला करेगें वह ठीक ही होगा लेकिन एक बात आपकी इजाजत से जरूर कहूंगा कि जब दे ा आजाद हुआ, आजादी के बाद अंग्रेजी हकूमत ने जो एडमिनिस्ट्रटिव स्ट्रक्चर बनाया हुआ था, हमने उसको चेंज यिका, एक नया विधान बना, पार्लियामेंट नेउसके मंजूर किया और यह

सारी कार्यवाही होने के बाद वह विधान यानि एडमिनिस्ट्रेटिव स्ट्रक्चर सारे दे ामें लागू हो गया। आज जो हमारी एडमिनिस्ट्रेटिव म ाीनरी है.....

श्री देवेन्द्र भार्मा: स्पीकर साहब, मुझे अपने प्वायंट आफ आर्डर कह कर बैठाया था क्योंकि मैंने समझा था कि चौधरी रिजक राम पवांयट आफ आर्डर पर खडे हुये है। मैंने अभी बहुत कुछ कहना है। वैसे तो जो कुछ मैनें कहना था वही बात ये भी कह रहे है। (व्यवधान)

श्री सभापति: आप बैठ जाइये।

चौधरी रिजक राम: चेयरमैन साहब, विधान एक्सैप्ट होने के बाद हमने देश में भाासन प्रणाली का ढांचा तैयार किया। इस ढांचे में एक विंग परमानेंट सर्विसीज का है, एक जुडी ायरी का है ओर एक लैजिस्लेचर्ज का हैं। परमानेंट सर्विसिज से मेरा मतलब एग्जैक्टिव से है। डैमोक्रेसी में अगर पोलिटिकल विग न हो तो भी जनता में अंसतोश रहेगा, अगर परमानेंट सर्विसिज का विंग मजबूत न हो तो दे ा की डेमोक्रेसी पनप नहीं सकती और अगर जुडी ायरी कमजोर हो तो देश में अत्याचार होने भाुरू हो जाते है। तो परमानेंट सर्विस जहां तक ताल्लुक है इसके तजर्बे को हमें एक्सपैट करना चाहिये। आप देखें, हम असैम्बली में आये, मुख्य मंत्री बनाया ओर मुख्य मंत्री ने कैबिनैट बनाई । सारे नुमायंदे राज करने लग पड़े, चाहे उनका राज करने का तजर्बा है या नहीं,

लेकिन उनको पब्लिक का मैंडैट है, पब्लिक ओपीनियन को साथ लेकर असैम्बली में आये है। इनहोने पब्लिक के सामने कोई प्रोग्राम रखा था जिसकी बिना पर वोट लेकर असैम्बली में आये, लेकिन इनको राज करने का तजूर्बा नहीं होता। जो प्रोग्राम लेकर आते है उसको लागूं करने के लिये एच0सी0एस0 आफिसर बैठे है। कैबिनेट जो नीति निर्धारित करती ै, वहजनता के मैनडैट के बैसिज पर करती है, जनता उनको सिखाती हे कि ऐसा करो, लेकिन कैबिनेट को नीति निर्धारित करने का तजर्बा नहीं होता। नीति निर्धारण में परमानेंट सर्विसिज का बहुत ज्यादा गहरा सम्बनध है। उनको जो भाक्ति मिली है उसके कारण ही उनका तजूर्बा है। परमानैंट सर्विसिज एक मुस्तकिल पावर है। कांग्रेस भाासनकाल में, जब बंसी लाल मुख्यमंत्री हुआ करते थे, उस जमाने में भी परमानेंट सर्विसिज बंसी लाल की, कैबिनेट की लायल रही। लायलटी इनका ध्येय है ओर जा ेनीति कैबिनेट निर्धारित करे, वे उसको सिंसीयरली इमपलीमेंट करेगें। परमानेंट सर्विसिज इम्पलीमेंटे ान की म ाीनरी है। अगर हम यह कहें कि पालिटि ियन्ज ही प्रान्त का भाासन चला सकते है तो यह ठीक नहीं होगा, क्योंकि हमें बहुत सी बातों का पता नहीं। वे सर्विसिज जो मुस्तकिल तौर पर रहती है उनको हर विभाग के बारे में पता होता है ओर पालिटि ियन्ज के लिये, पोलिटिकल लीडर्ज के लिये एक गाइड लाईन हेाते है। कहने का मतलब यह है कि पोलिटिकल विंग और परमानेंट सर्विसिज का विंग, दोनों की इस दे ा में जरूरत है। इन में से किसी एक को इग्नोर करके अगर

हम यह सोचें कि देश का काम काज चल जायेगा, बिल्कुल गलत बात है। परमानेंट सर्विसिज को डीमौरलाईज करके अगर देश का काराबार चलाना चाहे तो चल नहीं सकता। आप देखें, एडमिनिस्ट्रेटिव स्ट्रक्चर क्यों बनाया गया है? इसलिये बनाया है कि परमानेंट सर्विसीज एक गाईड के तौर पर काम करती है ओर दूसरे इन्होने चैक्स एंड बेलेसिंज प्रोवाईड किया है ताकि कोइ नया आदमी, अगर चीफ मिनिस्टर या मिनिस्टर बन जाता है, ये उसको गाईड कर सके, क्योंकि वह ना–तजर्बेकार होता है और उसके पीछे लोगों का पोलिटिकल प्रै ार होता है, जनमत से आये है, इसलिये जनताउनसे बहुत कुछ उम्मीद करती है। इस पोलिटिकल प्रै ार के नीचे ये गलत काम न करे, इस अवसर पर आफिसर का काम बन जाता है कि वह उनको ठीक ठीक सला दे। आज जरूरत इस बात कह है, मैं बजट प्वांयट आफ व्यू से नहीं कह रहा, ऐडमिनिस्ट्रटिव पवांयट आफ व्यु से कह रहा हूं। आज जरूरत इस बात की है कि मुख्यमंत्री जी अपने वि वास के मुताबिक आफिसरों को रखे। अब इनके ट्रांस्फर की बात आती है। पटवारी के लैवल से लेकर उपर तक ट्रांस्फर करवाना जो चाहता है पोलिटिकल प्रै ार की वजह से हम कोि ा ा करते है कि मुख्यमंत्री जी ट्रास्फर करने के आर्डर करें, इस पालिसी से परमानेंट सर्विसीज बहुत परे ाान है। कैबिनेट को परे ाानी है, मुख्य मंत्री को परे ाानी है आफिसर्ज को परे ाानी है। पोलिटिकल इन्टरफायरेंस की वजह से एडमिनिस्ट्रेटिव स्ट्रक्चर खराब हो रहा है। कोई ट्रांस्फर करवाता है, दूसरा उसको

रूकवाता है, ऐसा नहीं होना चाहिये। जो नीति हमने घोशणा–पत्र में दी है,उसके मुताबिक पालिसी बने और आफिसर्ज के जिम्मे लगायें कि वे उस नीति को इम्पलीमेंट करें। पालिसी को इम्पलीमेंट करने में अगर कोई आफिसर कोताही करता है तो उसके खिलाफ ऐक ान ले। इस बिना पर दखल देकर ऐक ान लेना तो इनकी जिम्मेवारी है, लेकिन अननसैसरी हर मामले में दखल हो, पालिसी को इम्पलीमेंट करने में रूकावट पैदा करे तो मैं समझता हूं कि हमें उतनी सफलता नहीं मिलेगी जितनी मिलनी चाहिये। चेयरमैनसाहब, एक बात और कहना चाहता हूं। जो परमानेंट सर्विसिज है, इनका रोल कार के ड्राईवर की तरह होता है। कैबिनेट कार का मालिक है ओर आफिसर उसको चला रहे हैं यह जरूरी नहीं है कि आफिसर लोग हर बात को कहें कि ठीक है जेा ठीक होगी उसको ठीक कहें, जो गलत हो उसको गलत कहें जो भी कहना चाहते है वे पोलाइटली कहें। आफिसर गलत बात को गलत कह सकता है क्योंकि वह कार के ड्राठवर की तरह होता है। अगर ड्राईवर कार को समय पर न रोके तो कार गड्डे में पडेगी उसका फर्ज बनता है कि वह साफ–2 कह दे कि आप गलत दि ाा में जा रहे है। चेयरमैन साहब, ऐमरजैंसी लागू हुई उसके बाद कोई आफिसर अपने किसी मिनिस्टर को या मुख्यमंत्री को यह नहीं कह सका कि फलां बात गलत हैं वे बडे डिमोरेलाइज हुयें। इसका नतीजा चेयरमैन साहब यह निकला कि जो कांग्रेस पार्टी तीस साल से राज कर रही थी उसको लोगों ने पछाडा और जनता पार्टी का राज हुआ। वह मिसाल हमारे सामने है। हमें

चाहिये कि हम ओफिसर्ज को डिमोरेलाइज न होने दे। मैं संत कंवर जी को यह अर्ज करना चाहता हूं कि मान लो कार्पोरे ान में एक मैनजिगं डायरेक्टर है और एक एम0एल0ए0 चेयरमेन है। अगर एम0एल0ए0 न तजुर्बेकार है तो वह उस मैंनेजिंग डायरैक्टर की मदद की बिना कामयाब नहीं होगा। उस एम0एल0ए0 को काम सीखनें में अभी टाईम लगेगा। मैं सर्विसिज के आदमियों से भी यह प्रार्थना करता हूं कि जो भी भाब्द हमारे मुंह से निकले वह ऐसा न हो कि कोई अफसर यह समसझे कि उन पर आक्षेप हो रहा है। अपने घरों में वे कैसे रहेते है, क्या करते है, इससे हमें कोई मतलब नहीं लेकिन अगर वे कोई गलत काम करते है या किसी छोटे चपडासी को गलत तौर पर इस्तेमाल करते है तो बे ाक आप उनके खिलाफ ऐक ान लें। चौधरी हरस्वरूप बूरा ने बिल्कुल ठीक बात कही। किसी दे ा में भी खूनी क्रांति तब आती है जब सर्विसिज का प्रैसटिज खत्म होता है। अगर उनका प्रैसटिज नहीं रहता है तो पोलीटिकल लीडरि ाप जनता को कंट्रोल नहीं कर सकती। इसलिये मेरी प्रार्थना है कि हम अपने अफसरों पर यकीन करे, उनको ड्यू रिसपैक्ट दें ओर अपने प्रोग्राम की इम्पलीमैंटे ान में उनका कोआप्रे ान हासिल करें ताकि पांच साल के लिये जो हम यहां चुन कर आये है इस कार्यकाल को हम सफलता से पूरा करें।

चौधरी हरस्वरूप बूरा (मेहम): सभापति महोदय, मेरे भाई कंवल सिंह जी हाउस के सामने जो रैजोल्यू ान लाये है उस पर मैं भी अपने विचार रखना चाहता हूं। सवाल हमारे सामने यह है कि स्टेट का खर्चा किस तरह बचाया जाये। चेयरमैन साहब, जहां तक ओफिसर्ज के खर्चे का सवाल है या ऐफि ासऐसी का सवाल है इसके बारे में मेरी अर्ज यह है कि आज ऐडमिनिस्ट्र ान में बडी पोलिटिकल इंटरफीयरैंनस होती है जिसकी वजह से हमारे औफिसर्ज के खर्चे का सवाल हे या ऐफि ाऐसी का सवाल है। इसके बारे मे ंमेरी अर्ज यह है कि आज ऐडमिनिस्ट्रे ान में बडी पाजिटिकल इंटरफीयरैंनस होती है जिसकी वहज से हमारे औफिसर्ज डिमोरेलाइज हो चुके है। अगर हमने औफिसर्ज से सही मायनो में काम लेना है तो हमें इसकी तरफ पूरा ध्यान देना होगा। सरकार को अपने औफिसर्ज के अन्दर कांफिडैन्स कियेट करना होगा। केवल बातों से या कहने से कि आई0ए0एस0 केडर को बन्द कर दिया जाये काम नहीं चलता। बेसिक चीज तो यह है कि पोलिटिकल इंटरफीयरैन्स बिल्कुल बन्द होनी चाहिये जिससे औफिसर्ज डिमोरेलाइज न हो। दूसरे सर्विसिज के अनदर गवर्नमेंट को कांफिडैन्स किएट करना चाहिये। इसके अलावा मेरी अर्ज यह है कि महकमों के और कार्पोरे ान आदि के जो लोग सर्वेसर्वा है उनको अपने उपर कुछ पाबन्दी लगानी होगी, उन्हे स्वंय एक उदाहरण पे ा करना होगा। अगर ऐसा नहीं होगा तो ऐफि ाऐन्सी नही आ सकती। आज चूंकि सवाल सारी स्टेट मे ंखर्च कम करने का है इसलिये मैं वालैटेंरिली ऐलान करता हूं कि

दो अप्रैल सन् 1979 से कार्पोरे ान की चेयरमैनि ाप से मेरा इस्तीफा समझा जाये। (प्र ांसा)

(इस समय कई सदस्य बोलने के लिये खड़े हुयें)

श्री सभापतिः अब आप बैठिये। मंत्री जी को बोलने दे। तीन रैजोल्यू ांज और है उन पर बोल लेना।

वित्त मंत्री (श्री मूलचन्द जैन): चेयरमैन साहब, यह जो प्रस्ताव मेरे नोजवान साथी श्री कंवल सिंह जी ने रखा है इससे तीन मतलब निकलते है। प्रस्ताव यह है कि राज्य में टौप हैवी प्र ाासन में मजीद इजाफा रोकने के पे ो नजर हाउस सिफारि ा करता है कि राज्य में कम से कम पांच वर्श तक आई0ए0एस0 कैडर की स्ट्रैन्थ में किसी भी बढोतरी की जरूरत नहीं और इसके लिये सरकार प्रभाव ाली कदम उठाये।

चेयरमैन साहब, जैसा मैनें पहले अर्ज किया, इस प्रस्ताव में मुझे तीन बातें मालूम होती है। नं0 1, हमारे राज्य में टोप हैवी ऐडमिनिस्ट्रे ान है, यह प्रिज्यूम करके यह प्रस्ताव दिया गया है। नं0 2 , वे मानते है कि इस ऐडमिनिस्ट्रे ान का कारण आई0ए0एस0 अफसरान है। नं0 तीन बात यह है कि उन्होने सुझाव दिया है कि पांच वर्श तक अगर आई0ए0एस0 औफिसर्ज की जो गिनती है उसको न बढाया जाये तो टौप हैवी ऐडमिनिस्ट्रे ान भी ठीक हो जायेगा और आई0ए0एस0 औफिसर्ज है उनकी गिनती भी कम होती चली जायेगी । जहां तक टौप हैवी ऐडमिनिस्ट्रे ान का

ताल्लूक है, अभी बजट पर जनरल डिसक ान में भी ओर उसके बाद डिमांडज पर बोलते हुये भी काफी सदस्यों ने इसके बारे में जोर दिया ओर सरकार यह मानती है कि टौप हैवी ऐडमिनिस्ट्रे ान को कम करने की गुंजाय ा है। मैंने बजट के उत्तर में भी कहा था और आज फिर दोहराता हूं कि सरकार उस टौप हैवी ऐडमिनिस्ट्रे ान को कम करने के लिये जितने भी कदम उठाये जा सकते है। उठायेगी लेकिन उस टौप हैवी एडमिनिस्ट्रे ान की जिम्मेदारी आई0ए0एस0 अफसरान पर है इससे मेरा मतभेद है। जिम्मेवारी अगर है तो हमसब पर है। मेरा ख्याल है कि पुराने आई0सी0एस0 औफिसर्ज के जो संस्कार थे, अग्रेंजो के बारे में जो हमारे विचार थे, वही भाायद कुछ लोग आई0ए0एस0 औफिसर्ज के बारे में अपने मन में लाने लगे है हालाकिं इन दोनों को जोंडना गलत है। ये आई0ए0एस0 वाले हमारे भारतीय है हमारे बच्चें है, इनमें से कुछ हमारे रि `तेदार भी हो सकते है। ये कोई बाहर से नहीं आये हैं आई0सी0एस0 वाले तो प्रायः बाहर से आये हुये थे। तो मैं यह प्रार्थना करूंगा कि इनके बारे में आई0सी0एस0 वाले संस्कार मन में लाना ठीक बात नहीं है। मै ंनही चाहता कि हमारी स्टैट में आई0ए0एस0 अफसर कम है लेकिन मैं यह जोर से कहनाचाहता हूं कि उनमें भी वहीं गुण है जो दूसरे भारतवर्श के बुद्धिजीवियों में है और वही दोश है जो भारत के अन्य बुद्धिजीवियों में है चाहे कोई बिजनैस में हो, चाहे प्राइवेट डाक्टर हो या इंजीनियर हो उनमें भी वहीं गुण–दोश है जो आई0ए0एस. अफसरों में है। यह कहना कि आई0ए0एस0

अफसरों में हैं यह कहना कि आई0ए0एस0 अफसरों में जयादा दोश है, बिलकुल गलत बात है। भारत के जो एम0ए0 ओर बी0ए0 में टाप स्टुडेन्टस होते हैवहीं आई0ए0एस0 में आते है। सारे हिन्दुस्तान में मुकाबला होता है जो टाप पर आते है उनको पब्लिक सर्विस कमी ान रिकमैन्ड करता है। जितने लेने होते है उनमें से लिये जाते है। चेयरमैन साहब यह यकीन से कहा जा सकता है कि भारत के बुद्धिजीवी नौजवान ही मुकाबले में आते है। इससे कोई इन्कार नहीं कर सकता है। इन टाप के स्टुडेन्टस मेसे कुछ मैडिकल साइड मे ंऔर कुछ इंजीनिरिग साइड में चले जाते है। जो उस साइड में जाते है ,वे भी बुद्धिजीवी होते है। जो आई0ए0एस0 में आते है उनमे से मुख्,ातलिफ स्टेट मे अच्छे टाप के स्टुडेन्टस होते है, वे कम्पीटि ान से आते है। उनके प्रति किसी के मन में अगर छुपी हुई दुभार्वना है तो वह गलत बात है। वह हमारे दे ा के लिये अच्छी नहीं है।

चेयरमेन साहब, एक बात और भी कहना चाहता हूं कि पालिटिक्स में, डेमोक्रेसी में पांच वर्श के प चात चुनाव होते है। कोई भी पार्टी इलैक् ान में जीत कर आ सकती है। कभी कोई पार्टी आ जाती है ओर कभी कोई आ जाती है। डेमोक्रेसी में एडमिनिस्ट्रे न को ठीक तरह सेचलाने के लिय स्थायित्व होना जरूरी है ओर उसमें काम करने वाले भिन्न भिन्न प्रकार के कर्मचारी ऐडमिनिस्ट्रे ान में स्थायीपन कायम रख सकते है। इसलिये यह जरूरी है कि उनको किसी तरह से भी डैमेज नहीं

करना चाहियें। अगर उनमं कोइ कमी है तो वैसी ही है जैसी और बुद्धिजीवियों में है। इसलिये इस बात को जोडना कि टाप हैवी एडमिनिसट्रे न के लिये आई0ए0एस0 अफसर जिम्मेदार है, यह गलत बात हैं। जो यह बात कही गई है कि पांच वर्श के लिये पाबन्दी लगा दी जाये, यह भी गलत बात है, यह बिल्कुल मुनासिब नहीं है। आई0ए0एस0 अफसरों को भारत सरकार द्वाराराज्य सरकार के मि वरें से लिया जाता है। अगर राजय सरकार चाहती है तो गिनती कम भी हो सकती है। अगर हम पांच वर्श के लिये बिल्कुल बंद कर दें और आई0ए0एस0 अफसरों को यहां नहीं ले तो 10:15 साल के बाद एक ऐसी हालत पैदा हो जायेगी कि जिन अफसरों ने वहां तजर्बा हासिल किया है वे तो उपर चले जायेगें और नीचे के लैवल पर जो एडमिनिस्ट्रे ान को आई0ए0एस0 अफसर सम्भालते है, वह ठीक तरह से नहीं संभल पायेगा। इस तरह से खला पैदा हो जायेगा। अगर 5 पांच साल तक 20—25 अफसर नही आयेगें तो हमारी एडमिनिस्ट्रे ान पर बहुत बुरा असर पड सकता है इसलिये इनका होना बहुत जरूरी है।

एक बात इस सम्बन्ध में और भी कहना चाहता हूं कि मेरे साथी मन्त्रियों के लिये और ूदसरे सदस्यों के लिये सरकारी कर्मचारियों को दोश देना उचित नहीं । अफसरों को खडे हो कर हम कोस सकते है लेकिन मेरा तजूर्बा यह है कि सरकारी कर्मचारी एक मजबूत घोड़े की तरह से है। अगर सवार मजबूत होगा तो

उसके काम लिया जा सकता है। अगर सवार ही मजबूत न हो तो घोडे को दोश देना उचित नहीं है।

श्रीमती भाांति देवीः आन ए पवांयट आफ आर्डर सर। यह रैजोल्यूय ान टाप हैवी एडमिनिस्ट्रै ान के बारे में है कि आई0ए0एस0 अफसरों को कम किया जाये। क्या वे मैंबर्ज जो कार्पोरे ांज के चेयरमैन बने हुये है बूरा साहब की तरह से मिसाल पे ा करेगें। दूसरों को कहने से पहले स्वयं आद र्ा पे ा करें उसके बाद आई0ए0एस0 अफसरों को कहें।

चौधरी संत कंवरः यह तो बडा इनटेलीजेन्ट तबका है । `इनके पास किसी चीज की कमी नहीं है। भाांन्ति जी भी पहले चेयरमैन थी, यह तो पहले निकाली गई है।

श्रीमती भाांति देवीः मैंने तो पब्लिकली इस्तीफा तबका है। इनके पास किसी चीज की कमी नहीं है। भाान्ति जी भी पहले चेयरमैन थी, यह तो पहले निकाली गई है।

श्रीमती भाांति देवीः मैनें तो पब्लिकली इस्तीफा दिया था।

श्री सभापतिः कृपा करके आप बैठें।

श्री मूलचनद जैनः मैं यह कह रहा थसा कि सरकारी कर्मचारी चाहे आई0ए0एस0 है, चाहे पुलिस अफसर है चाहे डाक्टर या इंजीनियर है वे सब क्रीम होते है। इसलिये अगर टोप हैवी

ऐडमिनिस्ट्रे ान है ते उसको कम करना है और करनी चाहिये लेकिन उस कम करने का तरीका जो बताया है उसकी जिम्मेवारी इस रैजोल्यु ान से टपकती है, वह मेरे ख्याल में दुरूस्त नहीं है। इस सम्बन्ध में मैं माननयी सदस्य से यही निवेदन करूंगा कि वे प्रस्ताव को वापिस ले लें। मैं अ योरेन्स देता हूं कि टोप हैवी ऐडमिनिस्ट्रे ान की तरफ हमारा पूरा ध्यान हैं। अब तो बजट भी पास हो गया है और ऐप्रोप्रिऐ ान बिल भी पास हो गया है। आगे हमारा सारा ध्यान इन बातों की तरफ होगा। इस काम के लिये सारे आई0ए0एस अफसर हमें पूरा सहयोग देगें और हम भी टौप हैवी ऐडमिनिस्ट्रे ान को कम करना चाहते है , इन भाब्दों के साथ मैं अपना स्थान लेता हूं।

श्री कवंल सिंह (धिराये): चेयरमैन साहब, अभी जैन साहब ने, मेरे रैजोल्यू ान का जवाब दिया है ओर कई माननीय सदस्यों ने अपने विचार प्रकट किये है। जैन साहब का चूंकि आदे ा हुआ है इसलिये मैं रैजोल्यू ान को तो वापिस लूगां लेकिन मैं दो चार बातें जरूर कहना चाहता हूं। उन्होने टॉप–हैवीनैस का जिक किया है। मैं यह मानता हूं कि वे हमारे प्रान्त की टोप ऐडमिनिस्ट्रे ान को घटाने के लिये और उसके जो अंग है, उनको घटाने के लिये प्रबन्ध कर सकते है, उपाय कर सकते हैक। आई0ए0एस0 के सारा सैकटेरियेट काबू में है, वे उस पर राज्य कर सकते है। मेरा खास प्रस्ताव सबसे पहले यह था कि आई0ए0एस0 की स्ट्रैंथ इतनी ज्यादा है, इसको कम करने का

फैसला क्यों नही करते है। इस बात पर जैन साहब ने रो ानी नहीं डाली। हमारा जो संविधान बना है उसमें लिखा है कि यह एक इनडिपैनडैन्ट एजेन्सी हो और आम सियासतदानों के प्रभाव से दूर रह सके। तभी यह हमारे दे ा की ऐडमिनिस्ट्रे ान को चला सकेगी लेकिन देखना यह है कि हम इन ऐडमिनिस्ट्रेटर्ज को कितनी पावर्ज दे रहे है। कई बार हो सकता है पोलिटी ान्ज में भी वीकनैस आ सकती है जिसकी वजह से ये अैर भी जयादा ताकतवर हो सकते है। जिस समय हमारा आजाद भारत का संविधान बना, उस वक्त हालात दूसरे थे। आज से कई हजार साल पहले वैदिक समाज की स्थापना हुई थी। उसमें इसी प्रकार से कई वर्णों में काम को बांटा गयाथा। हमने यह देखा कि आहिस्ता आहिस्ता समय गुजरने के साथ–साथ एक वर्ण ने समाज में अपना ठप्पा कायम कर लिया। जिसका नतीजा यह हुआ कि हिन्दु धर्म पतन की तरफ चला गया। मेरा कहने का मतलब सिर्फ यचह है कि समाज के एक अंग को इतनी ज्यादा ताकत न मिल जाये कि समय के गुजरने के साथ–2 वह इतना मजबूत हो जाये कि वह उसे अपना जन्म सिद्ध अधिकार ही समझ ले। जिस तरह से पहले–पहल हमारे समाज के अन्दर ब्राहाणों को लेागों को पढाने का काम सौपां गया था लेकिन धीरे–2 समय गुजरने के साथ–2 उन लोगों ने इसे अपना जन्म सिद्ध अधिकार ही समझ लिया कि वह ही पढेंगें और वे ही पढायेगें। उसी तरह से हमारा आज का समजा जिसको बने हुये अभी तो 30 साल ही हुये है, कहीं 300 साल के बाद इसे भी उसी तरह की समस्या का सामना

न करना पडे। मेरी आई0ए0एस0 के खिलाफ कोई जाति दु मनी नहीं है। मैं यह समझता हूं कि वे बाई एंड लार्ज इन्टलीजैन्ट है। लेकिन इनके साथ ही साथ दूसरे इंजीनियर्ज, डाक्टर्ज यानि टैक्नोक्रैटस ओर एकेमैडी ीयन्ज बगैरा उनसे कहीं ज्यादा काबिल है। आज एक आई0जी0 साहब के मुकाबले में सिर्फ 9 साल की सर्विस वाला आई0ए0एस0 ज्वायंट सैक्रेटरी उनके बराबर बन जाता हैं (ाोर एवं व्यवधान) चेयरमैन साहब, एमरजैन्सी के दोरान हमारे आई0ए0एस0 अफसरान का जब कि पूरा बोलबाला था, ग्रीवीयैंसिज कमेटी के अन्दर हमारे एस.ई0 साहेबान जिनका रैंक हमे ाा डी0सी0 से उपर रहा है, अग्रेंज, जिससे हमने यह ऐडमिनिस्ट्रटिव सिस्टम विरासत में लिया है, उसके जमाने में जिनका रैंक उपर रहा है, उसके बराबर कर दिया गया।.....

श्री लहरी सिंह मेहराः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। अभी मेरे साथी माननीय सदस्य ने यह कहा कि 9 साल की सर्विस के बाद एक आई0ए0एस0 बहुत ऊंचे पद पर चला जाता है। मैं यह कहता हूं कि एक सदस्य चाहे एक दिन के लिये एम0एल0ए0 बन जाये, लेकिन वह आई0ए0एस0 से उपर बैठ जाता है।.....
..

श्री कवंल सिंहः मैं अपने भाई लहरी सिंह को यह बताना चाहता हूं कि मैं लेागों का मैनडेट लेकर आया हूं जैसे वे आये है। मैं दोबारा भी मैंनडेट लेकर आउंगा। हम फौज को कितनी अहमीयत देते है। जिस वक्त हमारे बार्डर पर कोढ समस्या

होती है तो हम जय जवानऔर जय किसान का नारा लगाते है। जब 1962 में चीन क साथ लडाई हुई तो उस वक्त नेहरू जी भी नै ानल स्टैडियम में लता मंगे ाकर जी के एक गानें पर रो पडे थे। पहले हमारा डी0सी0 जो था वह प्रोटोकल के अन्दर लैफटीनेंट कर्नल के बराबर था, लेकिन अब उसको ब्रिगेडियर के बराबर कर दिया गया है। मेरा कहने का मतलब यह है कि आहिस्ता–2 ये आई0ए0एस0 के लोग अपना मान–सम्मान बढाते जा रहे है। मैं समझता हूं कि इनको पूरी तनख्वाह दी जाये, लेकिन इनका जो बढता हुआ प्रभाव है, इसको रोका जाये। मेरे प्रस्ताव के पीछे जो मुद्दा है, वह यही है। मैं यह मानता हूं कि यह काबिल सर्विसीज है लेकिन हम इन काबिल सर्विसिज को नेता मान कर न चलें। आज से दो–तीन दिन पहले अखबारों में एक खबर भााया हुई थी, और भाायद आपे भी पढी होगीं । हमारा इंडियन स्टैंडर्ड इंस्टीच्यूट है (व्यवधान व भाोर) मैं यह रैजोल्यू ान वापिस लेता हूं और आ ाा करता हूं कि जैन साहब और मुख्य मंत्री महोदय इस बात पर पुनर्विचार करेगें कि आई0ए0एस0 के लेागों को हम जितने मान–सम्मान के साथ रखते है, उतने ही मान–सम्मान के साथ दूसरे ब्रांचिज के लोगों को, यानि टैक्नोकैटस को और एकेमैडी ाियन्ज को भी रखेगें। धन्यवाद।

श्री सभापतिः क्या माननीय सदस्य को अपना प्रस्वात ववापिस लेने की अनुमति है?

आवाजें: जी हां।

प्रस्ताव सदन की अनुमति से वापिस लिया गया।

सभापति द्वारा घोशणा

श्री सभापतिः साहेबान, मुझे अब एक अनांउसमैंट करनी है। जिन मंत्रियों तथा विधायकों ने फरीदाबाद अरबन एस्टेट, सैक्टर–21 ए में प्लाटों के लिये एप्लाई किया है, वे कृपया आज 12 बजे अध्क्ष महोदय के चैम्बर में आ जायें ताकि उनके सामने लाटरी का ड्रा हो सके।

गैर–सरकारी प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

2. मुख्यमंत्री का एम0एल0ए0 फलैटस में ि ाफ्ट न करने सम्बन्धी

श्री भागी राम (ऐलनाबाद–अनुसूचित जाति): मैं प्रस्ताव करता हूं कि –

कि इस सदन की यह राय है कि मुख्यमंत्री एम0एल0ए0 फ्लैटस में बदलने की बजाये मकान नं0 1, सैक्टर–3 ए, चण्डीगढ़ में ही ठहरे रहें।

श्री सभापतिः प्रसताव प्रस्तुत हुआ–

कि इस सदन की यह राय है कि मुख्यमंत्री एम0एल0ए0 फ्लैटस में बदलने की बजाये मकान नं0 1, सैक्टर–3 ए, चण्डीगढ़ में ही ठहरे रहें।

चौधरी राम कि ान (सफीदों): सभापति महोदय, मेरे साथी ने जो यह रैजोल्यू ान मुव किया है , मैं उसका समर्थन करने के लिये खडा हुआ हूं मैं इस रैजोल्यू ान का स्वागत करता हूं और तमाम हाउस की तरफ से अपने मुख्य मंत्री जी से यह प्रार्थना करना चाहता हूं कि इन्होने एक बडा सराहनीय कदम उठाया है जो ये एम0एल0ए0 फलैटस में आये है लेकिन यह हमारे लिये कोई अच्छा कदम नहीं था, सिक्योरिटी प्वायंट आफ व्यू से भी और एडमिनिस्ट्रेटिव प्वायंट आफ व्यू से भी। हमारे मुख्य मंत्री जी के लिये एम0एल0ए0 फलैटस में रहना कोई भाोभा की बात नहीं है। मैं हाउस का ज्यादा समय न लेते हूये आपके जरिये अपने मुख्य मंत्री महोदय से यही प्रार्थना कंरूगा कि वे कोठी नं. 1 में फिर से वापिस जाने का कश्ट करें।

श्रीमती भाांति देवी (कैलाना): चेयरमैन साहब, हमारे कुछ विधायकों ने यह प्रस्ताव रखा है कि चीफ मिनिसटर साहब, जिन्होने उस दिन सदन में ऐला यिका था कि मउैं और सभी मंत्री एम0एल0ए0 फलैटस में रहेगें, वे एम0एल0एज0 फलैटस में बदलने की बजये कोठी नं0 1, सैक्टर–3ए चण्डीगढ़ में ही ठहरे रहें। वैसे तो मुख्य मंत्री और दूसरे मंत्रियों के लिये एम0एल0ए0 फलैटस में रहना बडी कठिनाई की बात है, यह हम समझते है। चेयरमैन साहब, जो कमेटी की रिपोर्ट आई थी ओर हाउस के अन्दर जो मांग की थी वह मुख्य मंत्री और राज्यपाल को छोडकर की गई थी। लेकिन मुख्य मंत्री महोदय ने अपनी इच्छा से कोठी खाली की

ओर फलैट में आ गये। इसके लिये इनको जितनी बधाई दी जाए उतनी ही कम है। लेकिन देखने वाली बात यह है कि जो आद र्ा मुख्य मंत्री जी ने रखा है उसका दूसरे मंत्रियों और हमारे विधायकों पर क्या असर हुआ? यह कई दिन की बात हो चुकी है ओर प्रैस के अन्दर भी यह चर्चा का विशय बन चुका है। मैं मुख्य मंत्री महोदय से प्रार्थना करूंगी कि अपने स्टेटस के अनुसार वे अपने पहले वाले भवन में चले जाएं लेकिन जो मंत्रीगण दो–दो हजार और अढाई हजार रूपये की किराये की कोठियों में रहते है वे उन्हें तुरन्त खाली करके छोटी कोठियों में चले जायें। इस चीज का फौरन डिसीजन लेना चाहिये। चेयरमैन साहब, मेरा विधायको से भी पुरजोर अनुरोध है कि उन्हे अगर चेयरमैनि ाप छोडनी पडे तो मुख्य मंत्री महोदय का आद र्ा अपनाना चाहिये। (व्यवधान) मैं चौधरी संत कंवर से प्रार्थना करती हूं कि वे इतने उतावले क्यो ं हो रहे है? अगर वे अच्छा उदाहरण पे ा करेगें तो हम सब उनका स्वागत करेगें। हम लोगों को तो जनता के सामने एक उदाहरण पे ा करना चाहिये।

चौधरी संत कंवरः चेयरमैन साहब, आन ए प्वायंट आफ आर्डर। बहन जी ने मेरी चेयरमैनी के उपर कुछ बात कही हैं इसके लिये जरूरी बात है कि मैं भी अपनी दो बात कहूं। मैं बहन जी के नोअिस में लाना चाहता हूं कि जब से में चेयरमैन बना हूं तब से इन पांच महीनों में 32 लाख रूपये का फायदा कारपोरे ान को हुआ है। चीफ मिनिस्टर साहब ने जो जिम्मेदारी मेरे उपर

डाली है उस जिम्मेदारी को मैं पूरे तरीके से निभा रहा हूं और जब भी चीफॅ मिनिसटर साहब चाहेगें तभी मैं इस जिममेदारी को छोड दूंगा।

श्री लहरी सिंह मेहराः चेयरमैन साहब, अभी चौधरी संत कंवर ने कहा है कि पांच महीने की मेरी चेयरमैनि ाप के अन्दर कारपोरे ान को बत्तीस लाख का फायदा हुआ है। क्या वह बतायेगें कि पहले कौन चेयरमैंन थे और उनके टाईम में कितना फायदा हुआ था?

चौधरी संत कंवरः चेयरमैन साहब, पहले चेयरमैन जे0के0 सिंह थे और उसके टाईम में भी कारपोरे ान को फायदा हुआ था।

उद्योग मंत्री (डा0 मंगल सैन): माननीय सभापति जी, मेरी प्रार्थना है कि माननीय सदस्य केवल प्रस्ताव पर ही अपने विचार रखें और इधर उधर की बातें न करें।

श्री सभापतिः मैं सदस्यगण से यह प्रार्थना करूंगा कि जो प्रस्ताव है उसी पर वे बोलें और इधर–उधर की बात करके सदन का टाईम वेस्ट न करे।

श्रीमती भाांति देवीः चेयरमेन साहब, मेरा अनुरोध है कि जिन कोठियों में हमारे अधिकारी बैठे है वे अपना स्थान ढूंढे और हमारे तमाम मंत्रीगण उन छोटी कोठियों मेंचले जाएं ओर उन एम0एल0एज0 को डिस्टर्ब न किया जाये जो अपने परिवार के साथ

अपना हक लिये बैठे है। दूसरी बात मैं चेयरमैन की नियुक्ति के बारे में कहना चाहती हूं । ये हमारे आई0ए0एस0 अफसरों के उपर.....गये है। मैं मानती हूं कि ये जन प्रतिनिधि है लेकिन जब.....

डा0 मंगल सैनः चेयरमैन साहब, ...वाला भाब्द कार्यवाही से निकाल दिया जाये।

श्री सभापतिः थोपना भाब्द कार्यवाही से निकाल दिया जाये।

श्रीमती भाांति देवीः चेयरमैन साहब, मैं कह रही थी कि मुख्य मंत्री जी अपनी कोठी में चले जाऐ और जो दूसरे मंत्रीगण है वे छोटी कोठियों में चले जायें.....

चौधरी राजेन्द्र सिंहः आन ए प्वांयट आफ आर्डर । चेयरमेन साहब, मैं निवेदन कंरूगा कि जिन विधायकों ने यह रैजोल्यू ान मूव किया है उन्हे कम से कम दो–दो मिनट बोलने का टाईम दिया जाये।

श्रीमती भाांति देवीः चेयरमैन साहब, मैं केवल इतना ही कहना चाहती हूं कि जो एम0एल0एज0 फलैटस में रहते है उनको डिस्टर्ब न किया जाये और मुख्य मंत्री महोदय अपनी उसी कोठी में चले जाये।

चौधरी हुक्म सिंह (दादरी): चेयरमैन साहब, चौधरी भागी राम ने जो यह रैजोल्यू ान पे ा किया हे इसका मैं स्वागत करता हूं। हमारे चीफ मिनिस्टर साहब को अपनी कोठी में वापिस चले जाना चाहिये क्योकिं उनके फलैट में रहने से कई दिक्कतें है। पहली बात तो यह है कि सिक्योरिटी प्वांयट आफ व्यू से भी यहां रहना ठीक नहीं है। हमारे पुलिस कर्मचारियों को यहां दिक्कत आती है। फलैट में जगह थोडी होती है ओर जो लोग इनके पास आयेंगें उनको बैठने के लिये कोई जगह नहीं है। अब गर्मियों का मौसम आने वाला है। बाहर टैंट लगाना पडेगा और बाहर लू में जनता परे ाान होगी ओर कोई जगह ऐसी है नही जहां पर लोग बैठ सकें। इसलिये मेरी प्रार्थना है कि मुख्य मंत्री महोदय फलैट में न रहें। दूसरी बात बहन भाान्ति देवी ने कही कि हामरे मन्त्रियों को छोटी कोठियों मे चले जाना चाहिये जिससे कि खर्च कम हों इसके बारे में मेरा कहना यह है कि जो सरकारी कोठियों है उनमें तो वजीर साहिबान रहे तो कोई बात नहीं है। लेकिन जो प्राईवेट कोठियां है और जिनका किराया कम है अगर उनमें भी हमारे मिनिस्टर साहिबान रहें तो मैं समझता हूं कि कोई बुराई की बात नहीं है। हमारा मकसद सरकारी खर्चे में बचत करना है। लेकिन हम यह नहीं चाहते कि हमारा मुख्यमंत्री या अन्य मंत्रीगण का स्टेटस इतना गिर जाए कि वे एम0एल0ए0 फलैटस में रहे। ऐसा नहीं होना चाहिये। चेयरमैन साहब, मैं इस प्रस्ताव का स्वागत करता है।

चौधरी ई वर सिंह (गुहला–अनुसूचित जाति): चेयरमैन साहब, हमारे माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने फलैट में रहकर सादगी का बहुत बडा सबूत दिया है लेकिन सुरक्षा की दृश्टि से तथा और कई बातों को देखते हुये उनका वहां रहना ठीक नहीं है ओर उनको वापिस अपनी कोठी में चले जाना चाहिये और जिन मंत्रियों को छोटी कोठियों में जाने के लिये कहा गया है उनको छोटी कोठिों में चले जाना चाहिये। बस मैं इतना ही कहना चाहता हूं।

(12.00 बजे) **चौधरी राजेन्द्र सिंह (बल्लभगढ़):** चेयरमेन साहब, हमारे साथी विधायक चौधरी भागी राम जी ने जो रैजोल्यू ान सदन में पे ा किया है कि मुख्य मंत्री जी को अपना निवास स्थान एम0एल0एज0 फलैट में बदलने की बजाये कोठी नं01, सैक्टर तीन में ही रहना चाहिये, मैं इसका समर्थन करने के लिये खडा हुआ हूं। चेयरमैन साहब, यह हमारे प्रदे ा का सौभाग्य रहा है कि हमारे मुख्य मंत्री जी काफी बातों मे सोर्स आफ इंसपायरे ान रहे है लेकिन जहां तक इनका एम0एल0एज0 फलैट में जाने का संबंध है वह केवल मुख्य मंत्री जी तक ही सीमित नहीं होना चाहिये। ठीक है मुख्य मंत्री जी एक आद र्ा देना चाहते है। ताकि हमारे एडमिनिस्ट्रे ान के अनदर या राज्य केअन्दर खर्चा कम हो। मुख्य मंत्री जी बहुत ही थोडे समय में फलैट के अन्दर आ गये लेकिन उनके वाहां आने से बहुंत सी मु ि कलात आ रही है। मु ि कलात केवल एम0एल0.एज0 को ही नहीं आई बल्कि

जनता को भी आई है। इसलिये मैं उनसे निवेदन करूंगा कि चुंकि वे डैमोक्रेसी में वि वास रखते है और सभी लोग यह चाहते है कि अगर वे अपने पुराने निवास स्थान पर चले जाएं तो वहां से अच्छा एडमिनिस्ट्रे ान चल सकता है। और लेागों की सेवा वहां से ही अच्छी तरह से हो सकती है। मैं एक बार फिर मुख्य मंत्री जी से निवेदन करूंगाकि वे अपने पुराने निवास स्थान पर चले जायें । उनहोने जो आद र्ा दिया हे हम उसको मानते है ओर हम भी कम खर्चा करने की पूरी कोि ा ा करेगें।

चौधरी भाग मल (सढौरा–अनुसूचित जाति): चेयरमेन साहब, जो रैजाल्यू ान पे ा यिका गया हे मैं इसके बारे में दो भाब्द कहना चाहता हूं। हमारे चीफ मिन्स्टिर सहब ने जो बडी कोठियों मे रहने की परम्परा हटाई है इसके लिये मैं उनका बहुत धन्यवाद करता हूं । लेकिन जहां पर आज कल हमारे मुख्य मंत्री जी ने डेरा लगाया है वह एम0एल0एज0 फलैटस है और वहां पर जो एम0एल0एज0 अपनी फैमिली के साथ रहते है उनकी प्राइवेट लाइफ में बाधा पडेगी । इसलिये मेरा सुझाव है कि एम0एल0एज फलैट में कोई भी मिनिस्टर नहीं आना चाहिये या फिर एम0एल0एज के लिये कोई और जगह दी जाये। एक मेरा सुझाव और है कि हमारे पास कई कोठियां ऐसी है जो पहले डी0सी0 को दी जाती थी इसलिये उनको खाली करवा कर उनमें मिनिस्टर्ज को रखा जाये। ज्यादा न कहता हुआ मैं मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि वे वापिस अपनी कोठी में चले जाएं।

चौधरी हरस्वरूप बूरा (मेहम): चेयरमैन साहब, जितने भी हमारे भाई बोले है उन सब की यही भावना है कि हमारे चीफ मिनिस्टर साहब को बगैर सोचे अपनी कोठी में वापिस चले जाना चाहिये। इसमें कोई दो राय नहीं कि आज भी जब हमारे मुख्य मंत्री जी किसी गांव में जाते है तो वे वहां पर आम घरों में रूकते है और जहां तक उनकी सादगी का सवाल है इसमें भी कोई दो राय नहीं है। लेकिन एक बात मैं जरूर कहना चाहता हूं कि यहां पर चौधरी देवी लाल का एक एम0एल0ए0 के तौर पर सवाल नहीं है लेकिन सवाल मुख्य मंत्री का है। इसलिये उनके स्टेटस को देखते हूये, सीकेसी प्वांयट आफ व्यू को देखते हूये तथा सिक्योरिटी प्वांयट आफ व्यू को देखते हुये उन्हें बगैर किसी बात को देखते और हाउस की सैंस को देखते हुये आज ही भााम को अपनी पुरानी कोठी में ि ाफट कर लेना चाहिये। धन्यवाद।

श्री मनी राम (डबवाली–अनुसूचित जाति): चेयरमैन साहब, मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहता हूं कि मुख्य मंत्री जो फ्लैट छोड़ कर आज ही 12 बजे अपनी कोठी में चले जाऐ।

सरदार सुखदेव सिंह (रोड़ी): चेयरमैन साहब, जिन हमारे साथियों ने यह रैजोल्यू ान मूव किया अगर उनके नाम चेयर की तरफ आ जाते तो बडी अच्छी बात थी। मेरा ख्याल है कि अगर मैं उन सब के नाम पढ़ दूं तो भी कोइ एतराज की बात नहीं होनी चाहिये । (विघ्न) यह प्रस्ताव मैंने और मेरे साथियों ने इसलिये रखा कि हाउस में यह बात हो चुकी है कि चीफ मिनिस्टर

ओर मिनिस्टर्ज कोठियां छोड रहे है ओर एम0एल0एज0 से फलैटस छुडवा रहे है।

श्री जय नारायणः चेयरमैंन साहब, मेरा पवांयट आफ आर्डर है। कि जिन 13 आदमियों ने यह प्रस्ताव रखा है उनके अलावा दूसरे आदमियों को भी बोलने के लिये टाइम मिलना चाहिये।

सरदार सुखदेव सिंहः चेयरमैन साहब, मैं कह रहा था कि अगर ऐसा फैसला करना हो तो वह पहले पार्टी मीटिंग में किया जाये। अगर कोई खर्चा घटाना हो या बढाना हो तो उसके बारे में पहले पार्टी मीटिंग में फैसला किया जाना चाहिये ताकि जयादा कन्ट्रोवर्सी पैदा न हो। दो तीन दिन से हम सुन रहे है जनता कुछ कह रही है और एम0एल0एज कुछ कह रहे है। तो मैं हाउस से और मुख्य मंत्री जी से गुजारि ा करनाचाहता हूं कि मुंख्य मंत्री जी की भावना बहुत ठीक थी लेकिन ऐसा करने से कुछ ऐसी अड़चनें पैदा होगी जोकि ठीक नहीं होगी। इसलिये ज्यादा चर्चा न कते हुये मैं इतना ही कहूंगा कि वे वापिस अपनी कोठी में चले जाये। सारा हाउस यह चाहता है कि आप अपनी कोठी में चले जायें औार एम0एल0एज के लिये जो फलैटस बने हुये है उनको डिस्टर्ब न किया जाये। इतना ही कहते हुये मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

चौधरी जगजी सिंह पोहलू (पाई): चेयरमेन साहब, जो रैजोल्यू ान मूव किया गया है मैं उसका समर्थन करता हूं क्योंकि चीफ मिनिस्टर साहब का सवाल है न कि किसी एक आम आदमी का। चीफ मिनिस्टर साहब को सारी स्टेट का काम करना होता है और काम करने के बाद हर एक आदमी को आराम भी चाहिये। यहां पर फलैटस में कोई आराम की जगह नहीं है। इसके अलावा दुसरा स्टाफ भी यहां पर तंग है क्योकि यहां पर न उनके नहाने के लिये प्रबन्ध है और न खाने के लिये प्रबन्ध है। इसलिये मैं चीफ मिनिस्टर साहब से प्रार्थना करूंगा कि वे वापिस अपनी कोठी में चले जायें, और वहां जाकर अच्छी तरह से काम करे। यहां एम0एल0एज फलैट में दिखावा दिखाने की कोई आव यकता नहीं है।

कामरेड भांकर लाल (सिरसा): चेयरमैन साहब, मुझे भी चीफ मिनिस्टर साहब का इस फलैट में रहना बुरा लगता है ंसिक्योरिटी पवांयंट आफ व्यू से भी ययहां रहना ठीक नहीं है। इसलिये मेरी चीु मिनिस्टर साहब से प्रार्थना है कि वे अपनी पुरानी कोठी में चले जायें।

मुख्य मंत्री (चौधरी देवी लाल): चेयरमैन साहब, 13–14 मैंबरों की तरफ से यह रैजोल्यु ान आया है। इस रैजोलयू ान की मौजूदगी मैं मेरा कहने का मतलब है मुझे यहां बैठना नहीं चाहिये था मैं बडी मु कल में फसं गया था कि अगर मेरे पीछे यह प्रस्ताव पास हो गया तो भी ठीक नहीं है अगर रहूं तो भी

क्या कर सकता हूं। यह प्रस्ताव हाउस में जो मेरे साथी लाये ंहै मैं उनका म ाकूर हूं। (विघन) भावनी तो बडी अच्छी है आप सबकी लेकिन जो स्पीचिज हुई है उनसे जाहिर होता है कि सब ने मन बना लिया है कि होस्टल के सामने मुझे रहने नहीं देगें, एम0एल0एज फलैटस से निकाल कर ही रहेगे। मेरा मन ाा फलैट में रहने से एम0एल0एज को परे ाान नहीं करना था। मेरा मन ाा एक ही है कि इस हैवी ऐडमिनिस्ट्रे ान के एत्टेब्लि ामेंट का खर्च हमें कम करना है ताकि हरियाणा की डिवैल्पमेंट हो सके। ये खर्चे 1930 से चले आ रहे है। उस समय तो उनके समने एक ही बात होती थी जेल और फांसी। लेकिन हमारा मन ाा है कि इस ऐडमिनिस्ट्रे ान को क्लीन करे और इसके खर्चो को कम रकरे। इस उद्दे य को लेकर हम आये है कि हरियाणा की डिवैल्पमेंट करेगें। हम कोि ा ा करेगें कि हमारा हरियाणा सरे हिन्दुस्तान में अच्छा हो, तरक्की जदा करे। जो ज्यादा चर्चा कोठियों पर या सुर के सिलसिले में होता है इनकी बाबत हम गौर करेगे। मैं आपकी भावना को मानते हुये फलैट तो छोड दूंगा पर जाउंगा छोटी कोठी मैं। इन भाब्दों के साथ मैं अपने माननीय दोस्त से कहूंगा कि वे यदि अपना प्रस्ताव वापिस ले लें तो मैं उनका बडा म ाकूर हूंगा। (विघन)

चौधरी संत कवंरः चेयरमैन साहब, चौधरी साहब को बडी कोठी में रहना चाहिये। छोटी कोठी में उनको तकलीफ होगीं

हरियाणा के लोग उनके पास आते है वे कहां बैठेगे? इसलिये ये उसी कोठी में जायें, निसको इन्होने छोडा है।

सहकारिता तथा दुग्ध विकास मंत्री (चौधरी भजन लाल): सभापति महोदय, मुख्य मंत्री जी ने जो बात कही है मैं इस बात से सहमत नहीं हूं। वह इसलिये कि दे ा के राश्ट्रपति ने भी कहा था कि मै छोटे भवन में जाउंगा लेकिन दे ा के सिक्योरिटी अफसर जो थे उनहोने सिक्योरिटी प्वांयट आफ व्यू से बिल्कुल नहीं माना। प्रधान मंत्री जी ने भी कहा था परन्तु सिक्योरिटी प्वायंट आफ व्यु से उनकी बात भी नहीं मानी गई थी।। यहां चौधरी देवी लाल केवल देवी लाल नहीं है यहां मुख्य मंत्री का सवबी है, सीकरेसी के हिसाब से छोटी कोठी में नही जाना चाहिये। छोटी कोठी में जब वे टैलीफोन करेगें तो सब सडक पर सुनाई देगा। कल मैं एम0एल0ए0 फलैट गया चौधरी साहब उपर किसी को फोन कर रहे थे वह सडक पर सुनाई दे रहा था यहां तक कि जो गार्ड तम्बू लगा कर बैठे है उनको भी सुनाई दे रहा था। मुख्य मंत्री जी इस बात पर विचार करें और इस फैसले को बदलें इस हाउसमें जो रैजोल्यू ान लाया गया है उसको मान लें।

उद्योग मंत्री (डा0 मंगल सैन): चेयरमैन साहब, सारे सदन ने जो भावना व्यक्त की है मैं समझता हूं कि मुख्य मंत्री जी इसको रिसपौंस देगे। मुख्यमंत्री जी ने जो बात कही है मैं उनकी भावना का आदर करता हूं। परन्तु उनका समर्थन नहीं करता। जब स्वतन्त्रता संघर्श में प्रवे ा किया जाता हैं तो स्वतन्त्रता की मांग

करने वाले को जेल जाना पडता है ,फांसी की डोरी पर झूलना पडता हैं आज मुख मंत्री जी जिस पद को संभाले हुये है उस पर रहते हूये बडी परे ाानियां आती है, उनकी नीति है कि हरियाणा का विकास हो, हमस ब उनकी मं ाा के साथ है। उन्होने जो काम किया है एक प्रतीक के रूप में किया है एक सिम्बौलिक कदम उठाया था लेकिन हम मुख्यमंत्री जी से कहेगें कि वे अपनी कोठी में वापस चलें जाये। मैं आज हाउस में आ वासन देता हूं कि आगे आने वाले समय में हमस ब मिनिस्टर टी0ए0, टैलीफोन आदि के खर्च पर ध्यान देगें। हम आ वासन देते है कि ये सब खर्च घटेंगें। मैं इस प्रस्ताव के विशय को देखते हुये और अन्य सदस्यों की भावना को देखते हूये मुख,यमंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि वे जिस कोठी से आये है उसी कोठी मे ंचले जाये।

चौधरी देवी लालः मैं इस संबंध में ज्यादा बहस मुबाहिसा होना मुनासिब नहीं समझता। जब मेरे साथी डिप्टी लीडर ही मेरे साथ न रहे तो क्या हो सकता हैं इसलिये अब मैं अपने साथीयों से कहूंगा कि वे अपना प्रस्ताव वापिस ले ले।

श्री भागी रामः मैं अपना प्रस्ताव वापिस लेता हूं।

श्री सभापतिः क्या माननीय सदस्य को अपना प्रस्ताव वापिस लेने की अनुमति है?

आवाजेंः जी हां।

प्रस्ताव सदन की अनुमति से वापिस लिया गया।

3. राज्य मे पिछड़ी श्रेणियों के लिये सरकारी और अर्द्ध–सरकारी सेवाओं में भर्ती के लिये पदो ंके आरक्षण सम्बन्धी

Mr. Chairman: This resolution stands in the name os Shri Shamsher Singh Surjewala.

Industries Minister (Dr. Mangal Sein): He is not present.

Mr. Chairman: As the Hon. Member is not present, the resolution is not moved.

4. डी0एस0पीज0 के सिलैक ान ग्रेड के वेतन मान एच0सी0एस0 (ऐग्जैक्टिव) के बराबर लोन तथा सिलैक ान ग्रेड पदों की संख्या बढ़ाने सम्बन्धी

Mr. Chairman: The next resolution is in the name os Shri Har Swarup Bura. He may please move his resolution.

चौधरी हरस्वरूप बूरा (मेहम): चेयरमैन साहब, मैं प्रस्ताव करता हूं–

कि यह सदन राजय सरकार से सिफारि ा करता है कि डिप्टी सुपरिन्टेडैंट पुलिस के सिलैक ान ग्रेड के पदो ंके वेतनमान 1–1–1977 से एच0सी0एस0 (ऐग्जैक्टिव) के बराबर किये जायें और डी0एस0पीज0 के सिलैक ान ग्रेड के पदों की संख्या बढा कर 25 प्रति ात कर दी जाये।

श्री सभापतिः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ–

कि यह सदन राजय सरकार से सिफारि ा करता है कि डिप्टी सुपरिन्टेडैंट पुलिस के सिलैक ान ग्रेड के पदो ंके वेतनमान 1–1–1977 से एच0सी0एस0 (ऐग्जैक्टिव) के बराबर किये जायें और डी0एस0पीज0 के सिलैक ान ग्रेड के पदों की संख्या बढा कर 25 प्रति ात कर दी जाये।

चौधरी हरस्वरूप बूराः चयेरमेन साहब, ज्वायंट पंजाब के अनदर, जब से हरियाणा बना है और डी0एस0पीज0 ओर एच0सी0एस0 के ग्रेड बिल्कुल बराबर थे लेकिन 1–1–1977 से एच0सी0एस0 का गेड 400–1250 से रिवाईज करके 700–1300 कर दिया गया लेकिन डी0एस0पीज0 का वही पुरान 400–1250 का है और सिलैक ान ग्रेड के अन्दर एच0सी0एस0 की 20 परसैंट पोस्टों का प्रोविजन रख दिया है औरउनके ग्रेड भी 1300–1500 की जगह 1500–1800 कर दिये लेकिन डी0एस0पीज0 के लिये सिलैक ान ग्रेड का प्रोविजन नहीं है उनका वहीं पुराना 400–1250 का ग्रेड है। हरियाणा के अन्दर लगभग 120 के करीब डी0एस0पीज0 है उनमें से सिर्फ दो को ही अभी तक सिलैक ान ग्रेड दिया गया है। चेयरमैन साहब, पंजाब पुलिस कमी ान ने भी अपनी सिफारि ाों के अन्दर यह बात कही थी कि एच0सी0एस0 और डी0एस0पीज0 की बेसिक ड्यूटीज को अगर कम्पेयर किया जाये तो डी0एस0पीज0 की डयूटीज जयादा है और बेसिक भी है। इस बात को देखते हुये इनके साथ बहुत जयादती हूई है। यह बात भाायद मेरे साथी महसूस भी करते होगें कि इनके साथ

कितनी ज्यादती हुई है। इन लोगों की डयुटीज ओर इनके काम को देखते हुये मैं तो यह महसूस करता हूं कि एच0सी0एस0 के ग्रेड रिवाइज होने से पहले डी0एस0पीज0 के गेड रिवाइज होने चाहिये थे। चेयरमैन साहब, एक और बडी अनियमितता दिखाई दे रही है। पंजाब पुलिस रूल्ज के अनुसार ए0एस0पीज0 और डी0एस0पीज0 के ग्रेड भी बराबर होने चाहिये क्योंकि उनके काम, उनकी डयूटीज की नेचर तथा उनकी जिम्मेदारी बराबर है लेकिन इस ग्रेड रीविजन के अन्दर ए0एस0पीज0 और एच0सी0एस0 के ग्रेड बराबर कर दिये गये जबकि डी0एस0पीज0 के स्केल रिवाइज नहीं किये गये ।तो यह बहुत बडी अनियमितता है। इस बात को देखते हुये मेरा यह सुझाव है कि जब ए0एस0पीज ओर एच0सी0एस0 के ग्रेड बराबर रखे है तो डी0एस0पीज0 के ग्रेड भी इनके बराबर करने चाहिये । इन भाब्दों के साथ मेरी हाउस से प्रार्थना है कि वह इस प्रस्ताव का समर्थन करे।

श्री दीपचन्द भाटिया(फरीदाबाद): चेयरमैन साहब, चौधरी हरस्वरूप बूरा जी ने जो रैजोल्यू ान हाउस के सामने रखा है मैं इसका समर्थन करता हूं। जहां तक पुलिस का ताल्लुक है, उससे हम काम तो खूब लेते है, वे 24 घंटें सर्विस करते है दिन रात सर्विस करते है, उनको न तो अपने बच्चों का ध्यान होता है ओर न ही उनको अपने रि तेदारों का ध्यान होता है। इसलिये मेरी हाउस से प्रार्थना है कि यह रैजोल्यू ान जरूर पास होना चाहिये। इसके साथ मैं यह कहना चाहता हूं कि आई0जी0 का जो स्टेटस

है वह एक ज्वांयट सैक्रेटरी के बराबर है ं इसके लिये मैं मुख्य मंत्री जी से प्रार्थन करता हूं कि आई0जी0 का रैंक चुंकि बहुत बडा होता है इसलिये उस सको पावर्ज भी एक सैर्केटरी के बराबर होनी चाहिये और उसका स्टेटस भी एक सैक्रेटरी के बराबर होना चाहिये। चेयरमैन साहब, इसके अलावा में होम मिनिस्टर साहब से भी एक प्रार्थना करता हूं। इन लोगों के उपर 24 घंटे ला एंड आर्डर को मेनटेन करने की बात आती है और हर वक्त इनके खिलाफ लोग बोलते है। इसलिये मेरी होम मिनिस्टर साहब से प्रार्थना है कि इनकी तनख्वाह का भी ध्यान रखा जाये ओर जो सिलेक ान ग्रेड है उसका भी ध्यान रखा जाये ताकि इनमें रि वत की कोइ बात नर हो सके। चेयरमैन साहब, एक बात मै मुख्यमंत्री जी से और होम मिनिस्टर साहब से कहना चाहता हूं कि यह जो सिपाही है यह ऐसे ही पडे रहते है उनको रहने के लिये कोई जगह नहीं है और न ही उनको अपनी फैमिली रखने के लिये कोई स्थान है। इस बात की तरफ सभी सर्विसिज में ध्यान दिया जाता है और सभी डिपार्टमेंटस अपने कर्मचारियों का ध्यान रखते है। इसलिये मैं होम मिनिस्टर साहब से प्रार्थना करता हूं कि इन सब पुलिस वालों के रहने के लिये कमरे जरूर होने चाहिये क्योकि ये भी हमारे ही भाई है। इन भाब्दों के साथ मै इस रैजोल्यू ान का समर्थन करता हूं।

श्रीमती सुशमा स्वराज (अम्बाला छावनी): सभापति महोदय, मेरे भाई चौधरी हरस्वरूप बूरा ने सदन के सामने जो

प्रस्ताव रखा है मैं उसका समर्थन करने के लिये खडी हुई हूं। सबसे पहले तो मैं बधाइ देती हॅ भाई हरस्वरूप बूरा जी को क्यांकि इन्होने इन दोनों सर्विसिज के पे स्केल के अनदर जो डिसपैरिटी थी उसको इस प्रस्ताव के माध्यम से सदन के सामने रखा है । सभापति महोदय, जैसा हरस्वरूप बूरा जी ने बताया, जब से यह सर्विसिज बनी थी तब से लेकर सन 69 तक इनके सिलैक ान ग्रेड ओर इनके वेतनमान बिल्कूल एक से चल रहे थे। सन 69 मॅं थोडा सा अन्तर पडा। एच0सी0एस0 (एग्जैक्टिव) वालों का सिलैक ान ग्रेड कुछ बढा दिया गया लेकिन पुलिस सर्विसिज में इससे ज्यादा रिजैन्टमेंट नहीं हुई। परन्तु अन्त तब आया जब 1—4—1977 को बडी गलेरिंग डिसपैरिटी देाने के स्केल में कर दी गई। उनका 400—1150 और इनका 700—1300। इनका सिलैक ान ग्रेड भी बढा दिया । सभापति महोदय, आज पूरे देश में इस चीज का अहसास किया जा रहा हैं कि रैवेन्यू सर्विसिज के अधिकारी दूसरी सर्विसजि के लोगों को कुछ आने से हल्का महसूस करते है। वैसे यह बात पहले से चली आ रही हैं एक बार कैरों साबि के समय में भी यह बात चली थी कि डिप्टी कमि नर को अधिकार होगा कि वह एस0पी0 की रिपोर्ट लिखेगा। उन्होने कहा था ठीक हैं डी0सी0 एस0पी0 की रिपोर्ट लिखेगा और एस0पी0 डी0सी0 की रिपोर्ट लिखेागा। इससे डी0सी0 बौखला गये और उस प्रस्ताव को वही का वहीं रोक दिया गया था। दुबारा यह प्रस्ताव कांग्रेस सरकार के समय मं आया और मुझे अफसोस है कि उन्होने इस प्रस्ताव को पास कर दिया और रैवेन्यू अथोरिटी के हैड डिप्टी

कमि नर को यह अधिकार दे दिया कि वह एस0पी0 की रिपोर्ट लिखे हालांकि सिमिलर केडर पोस्ट हैं अगर डी0सी0 को रैवेन्यू ऐडमिनिस्ट्रे ान को चलाने का अधिकार है तो एक एस0पी0 के उपर तमाम कानून ओर व्यवस्था को बनाये रखने की जिम्मेवारी है। लेकिन फिर भी कहा गया कि एस0पी0 की रिपोर्ट डी0सी0 लिखेगा ओर लिखता रहा। सभापति महोदयख जब यह बात जनता सरकार के नोटिस में आई कि डिप्टी कमि नर एस0पी0 की रिपोर्ट लिखता है तो इसने इस बात को बेजा मान कर इस डिसपैरिटी को समाप्त कर दिया। (विघन) सभापति महोदय, देहली के बारे में आपको पता होगा। वहां पहले एस0पी0 हुआ करते थे लेकिन कुछ दिन पहले उनको पुलिस कमि नर की पोस्ट दी गई। डिप्टी कमि नर और लैफ्टिनैंट गवर्नर रैवन्यू ऐडमिनिस्ट्र ान का काम संभालेंगें। यह सिर्फ यह बताने के लिये किया गया कि वह अपने काम को उतनी ही जिम्मेदारी से निभाता है जितनी जिम्मेदारी से आई0ए0एस0 वाले अपनी जिम्मेदारी को निभाते है। (विघन) सभापति महोदय, मैं ज्यादा न कहते हुये अपने चीफ मिनिस्टर साहब से यह गुजारि ा करूंगी कि जिस तरीके से उन्होने एच0सी0एस0 (ऐग्जैक्टिव) और एच0सी0एस0 (जुडीि ायल) के पे स्केल में पाई जाने वाली डिसपैरिटी को समाप्त कर दिया था उसी तरह से इस डिसपैरिटी को भी समाप्त कर दे। आपको मालूम है कि एच0सी0एस0 (ऐग्जिक्टव) के स्केल को एक खास आदमी को ज्यादा फायदा पहुंचाने के लिये उनके स्केल एच0सी0एस0 (जुडीि ायल) से ज्यादा कर दिये गये थे। जब मुख्य

मंत्री जी के नोटिस में यह बात आई तो उन्होने एच0सी0एस0 (जुडीि ायल) के वेतनमान उनके बराबर कर दिये थे। मुझे उम्मीद है कि यह जो दूसरी डिसपैरिटी उनके सामने आई है इसको भी समाप्त करके वे डी0सी0पी0 और एच0एसी0एस0 (ऐग्जैक्टिव) के वेतनमान एक समान करेगें ओर सिलैक ान ग्रेड भी उनको उनके बराबर दे देगें।

कामरेड भांकर लाल(सिरसा): चेयरमैन साहब, मै भी इस रैजोल्यू ान का समर्थन करता हूं। लेकिन एक बात में हाउस के सामने रखना चाहता हूं कि जहां डी0एस0पी0 के बारे में कुछ सोचा जाये वहां पुलिस के दूसरे मुलाजिमों जैसे सिपाही, हवलदार और थानेदार आदि के बारे में भी कुछ न कुछ सोचा जाये। इतना ही कह कर मैं अपनी जगह लेता हूं।

चौधरी गंगा राम (गोहाना): चेयरमैन साहब, यह जो प्रस्ताव आया है एच0सी0एस0(ऐग्जैक्टिव) और डी0एस00पीज0 के पे–स्केल को बराबर करने के बारे में, इसको मैं समझता हूं कि पास किया जाना चाहिये और इस फर्क को जल्दी से जल्दी दूर किया जाना चाहिये। चेयरमैन साहब डी0एस0पी0 और एस0एच0ओ0. वगैरा अपनी डयूटी को तो करते ही है वे एच0सी0एस0 आफिसर्ज के साथ भी रात दिन काम किया करते है। मै इसकी एक मिसाल भी देनाचाहता हूं । जिस वक्त सारे हरियाणा में फलड आया उस वक्त एस0डी0ओ0 ओर डी0सी0 वगैरा के साथ पुलिस के अफसरान और एस0एच0ओज0 वगैरा भी

रात दिन वाहां रहते थे। इसके अलावा ला एंड आर्डर मेनटेन करने के लिये जहां कहीं भी हमारे एस0डी0ओ0 साहेबान जाते है, डी0सी0 साहब जाते है, वहां पुलिस अफसर भी उनके साथ जाते है। मेरा कहने का तात्पर्य यह है कि पुलिस वालों की 24 घंटे डयुटी लगी रहती है। चेयरमैन साहब, मै तो यह कहना चाहूंगा कि अगर हमारी सरकार हरियाणा के अन्दर हकीकत में ला एंड आर्डर की पोजी ान को साफ और स्पश्ट रखना चाहती है, अगर यह चाहती है कि यहां किसी किस्म की करप्ान न हो तो पुलिस को ज्यादा से ज्यादा सहूलियतें दी जानी चाहिये। उनके बच्चों की पढाई का हमें ध्यान रखना चाहिये। इसी तरह से उनकी रिहाइ ा वगैरा काक हमें ख्याल रखना चाहिये। हमें तो यह देख कर हैरानी होती है कि एच0सी0एस0 औफिसर्ज के पीछे नोकरों की लाईन लगी होती है लेकिन पुलिस अफसरों को कोइ नहीं पूछता। मेरे कहने का मतलब यह है कि हम जो फैसिलीटीज एच0सी0एस0 औफिसर्ज को देते है वे पुलिस औफिसर्ज को भी अव य मिलनी चाहिये। इसके अलावा मैं यह भी कहना चाहता हूं कि आज हमारे थानों की हालत बहुत बूरी है। बिल्डिगं टूटी हुई है, रिहाइ ा के लिये मकान नहीं है। ये सारी बातें मैं इसलिये कह रहा हूं ताकि सरकार जो फैसिलिटीज एच0सी0एस0 आफिसज्र को देती है, वे उन पुलिस आफीसर्ज को भी दे जो दो दो डयूटीज करते है। वे अपना काम भी करते है और एच0सी0एस0 आफिसज्र वर्गरा के साथ भी जाते है। तो मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करते हुये यह मांग करता हूं कि अव य ही इनकी तनख्वाह जो है एच0सी0एस0

औफिसर्ज के बराबर कर दी जानी चाहिये और इनको फैसिलीटीज भी उनके समान दी जानी चाहिये।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू (पाई): चेयरमैन साहब ,हरस्वरूप बूरा जी ने जो रैजोल्यू ान रखा है यह बडा अहम रैजोल्यू ान हैं मै इसकी पूरजोर ताईद करता हूं क्योकि एच0सी0एस0 वालों की ओर डी0एस0पीज0 दोनों की डयूटीज बराबर है। ला एंड आर्डर को मेनटेन करने के लिये पुलिसवालों का ख्याल रखना जरूरी है। पंजाब में इन लोगों की तनख्वाह बराबर हुआ करती थी। पहले हरियाणा में भी बराबर हुआ करती थी। लेकिन पिछले दिनों मे यह फर्क डाला गया। (विघन) इसलिये मेरी प्रार्थना है कि डी0एस0पीज0 को एच0सी0एस0 वालों के बराबर कर दिया जाये और जो फैसिलीटीज एच0सी0एस0 वालों को हो वही इनको दी जाये। चेयरमैन साहब मेरी सरकार से यह भी प्रार्थना है कि जो छोटे मुलाजिम है उनकी भी तनख्वाह बढाई जाये। (विघ्न)

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह): चेयरमैन साहब, चोधरी हरस्वरूप बूरा ने यह रैजोल्यू ान मूव करके वाक्या ही एक ऐसी बात आगे लाने की कोि ा ा की है जो एक बेइन्सा फी थी और अजिसको दूर करना लाजमी था। सदस्यगण जो भी बोले है सबने आने आने विचार व्यक्त किये लेकिन इसमें एक दोबातें मैं ओर ऐड करना चाहूंगा। पुलिस की हर कैटैगरी की सर्विस कंडी ांज इतनरी सख्त है जितनी किसी दिगरकैटैगरी की

नहीं है। होम पौर्टफोलियों मिलने के बाद जगह–जगह मैने थानों को विजिट कियाहै। मैनें सरप्राइज विजिट भी किये है। थानों की कंडी ांज बहुत बुरी हैं 100–100, 150–150 वसाल की बिल्डिंग बनी हुई है। (विघ्न) कांस्टेबल्ज के रहने के लिये जो बैरेक्स है वे बहुत तंग है। जहां तीन आदमी खप सकते है वहां 6–6 की चारपाइयां डली हुई हैं सरकार ने अब इस तरफ ध्यान देना भुरू किया है। यह सोचती है कि उन बिल्डिंग की हालत सुधारी जाये, जहां जरूरत हो नई बिल्डिंगज बनाई जाये। कांस्टेब्ल्ज को भी कुछ राहत देने की बात सरकार सोच रही है। जहां तक, चेयरमैन साहब, इस रैजोल्यू ान का सम्बन्ध है, मुख्य मंत्री जी के म ावरे के साथ मैं इस सदन में यह घोशणा करना चाहता हूं कि इन प्रिसिपल हमने यह मांग मंजूर कर ली हे। पे–स्केल में जो डिसपैरिटी है वह 1–4–1979 से दूर कर दी जायेगी। 77 वाली बात सरकार मानने मे असमर्थ है। (प्र ांसा)चेयरमैन साहब, सरकार के नोटिस में एक बात और आई है। 1–4–1979 से जो डी0एस0पी0 700–1200 के ग्रेड में होगें उनकी इंकीमेंट 50 रूपये होगी लेकिन जब कोई आई0पी0एस0 फै ा आता है तो उसकी इंकीमेंट 40 रूपये होती है। इस डिसपैरिटी को भी हम रिमूव करने की को ि ा ा करेगें। सैद्धातिंक रूप से यह डिसपैरिटी खत्म करके डी0एस0पीज0 को यह ग्रेड दे दिया जाएगा।

चौधरी हरस्वरूप बूराः चेयरमैन साहब, अभी–अभी महोदय ने हाउस में अनाउन्स किया है कि डी0एस0पीज0 के ग्रेडज

एच0सी0एम0 के बराबर कर दिये है और वे अप्रैल से लागू कर दिये जायेगें। इसके लिये मै उनको बधाई देता हूं लेकिन मैं आपके ,सारा उनका ध्यान एक बात की और दिलाना चाहता हूं कि आई0ए0एस0 के बराबर की जो दूसरी सर्विसिज है जैसे इंजीनियरिंग सर्विसिज और टैक्नोकैटस आदि उनके ग्रेडज बराबरी के होने चाहिये। इन भाब्दों के साथ मैं अपना प्रस्ताव वापिस लेता हूं।

(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुये)

श्री उपाध्यक्षः क्या माननीय सदस्य को अपना प्रस्ताव वापिस लेने की अनुमति है?

आवाजें: जी हां।

प्रस्ताव सदन की अनुमति से वापिस लिया गया।

5. फसलों के लाजिमी बीमे के लिये कानून बनाने सम्बन्धी।

चौधरी प्रताप सिंह ठाकरान (गुडंगाव): डिप्टी स्पीकर साहब, मैं प्रस्ताव करता हूं–

कि यह सदन राज्य सरकार से सिफारि ा करता है कि वह व्यापारिक या गैर–व्यापारिक फसलों के आग, पाला , ओलों, बाढ़ों तथा अन्य कुदरती मुसीबतों के कारण किसानों को होने

वाले ऐसे नुक्सान से बचाने के लिये फसलों के लाजमी बीमें के लिये कानून बनाने के लिये यूनियन सरकार से निवेदन करे।

श्री उपाध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ–

कि यह सदन राज्य सरकार से सिफारि ा करता है कि वह व्यापारिक या गैर–व्यापारिक फसलों के आग, पाला , ओलों, बाढ़ों तथा अन्य कुदरती मुसीबतों के कारण किसानों को होने वाले ऐसे नुक्सान से बचाने के लिये फसलों के लाजमी बीमें के लिये कानून बनाने के लिये यूनियन सरकार से निवेदन करे।

चौधरी प्रताप सिंह ठाकरानः डिप्टी स्पीकर साहब, आप सभी जानते है कि हरियाणा एक कृशि प्रधान प्रदे ा है लेकिन यहां पर हर साल बाढ़, ओले, आग और दूसरी नैचूरल कैलेमिटीज आती रहती है जिनके कारण से किसानों को नुकसान होता है। सरकार जो थोडी बहुत मदद कर पाती है उससे उनकी पूर्ण रूप से सहायता नहीं हो पाती है। अब जो यह रैजोल्यू ान आया है उसमें लिखा है कि फसलों का बीमा किया जावे। आपको पता है कि किसी के घर मे ंचोरी हो जाये, समुद्र में कोई जहाज डूब जाये, एरोप्लेन ऐक्सीडेन्ट हो जाये तो सब को कम्पनसे ान मिलता है लेकिन किसान जो सारे भारत में सब से अधिक मात्रा में है उसकी फसल यदि नैचुरल कैलेमिटी से बरबाद हो जाती है तो उसके लिये कोइ कम्पनसे ान नहीं है। मैं आपके द्वारा सदन को प्रार्थना करता हूं कि इस रैजोलयू ान को यूनानिमसली पास

करके गवर्नमेंट आफ इंडिया को भेजा जाये और कृशि का लाजमी बीमा भी किया जाये।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू(पाई): डिप्टी स्पीकर साहब, ठाकरान साहब ने जो प्रस्ताव सदन में रखा है फसलों का बीमा किया जाये, उसकी मैं परुजोर ताईद करने के लिये खडा हुआ हूं। ओले से , आन्धी से या बारि ा से या अन्य किसी कारण से यदि किसी किसान की फसल तबाह हो जाती है तो उसका बीमा होना जरूरी है क्योकि किसान का इसके सिवाये दूसरा कोई साधन नहीं होता है। बीमा होने से मुसीबत के समय में उसके बच्चों को राहत मिल सकती है। सरकार को अपनी तरफ से भी अपनी तरफ से भी कोई फंड कियेट करना चाहिये जिसमें एक करोड या दो करोड रूपया हजो ताकि यदि कोई नैचुरल कैलेमिटी से नुकसान हो तो उनको मीट किया जा सके।

चौधरी संत कवंर(हसनगढ़): डिप्टी स्पीकर साहब, सदन में जिस प्रस्ताव पर बहस चल रही है मैं इसका समर्थन करने के लिये खडा हुआ हूं। यह प्रस्ताव फसलों के बीमें के बारे में है। मैं तो यह कहूंगा कि अगर चौधरी देवी लाल की सरकार में फसलों की बीमा करने की स्कीम नहीं लागू हो पाई तो आने वाली कोई भी सरकार इस स्कीम को लागू नहीं कर सकेगी। मेरी चौधरी देवी लाल जी से और ब्रिगेडियर रण सिंह जी से पूरजोर अपील है कि किसानों की फसल का अव य बीमा किया जाना चाहिये। आज गेंहू का एक किला बोने पर उसमें हल का, खाद का, बीज का

और पानी का 800–1000 रूपये के करीब खर्चा आ जाता है। अभी पिछले दिनों जिस तरह से ओले पडे है उससे किसानों के खेतों में कुछ भी नही रहा हैं उन किसानों के खेत में लान भी नही रहा है। जिस तरह से दरांती से कटाई करते है ऐसी फसल ओलों से तबाह हो गई है। इसी तरह से जब अनाज खलिहान में आ जाता है तो कई बार आग लग जाती है और बेचारा किससान तबाह हो जाता हैं बाढ के दोरान जो फसल तबाह हो जाती है उससे भी किसानों को काफी नुकसान हो जाता है।

चौधरी गंगा रामः डिप्टी स्पीकर सहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। समय बहुत कम है इसलिये हर मैंबर को दो दो मिनट दे दे ताकि सभी को समय मिल जाये।

चौधरी संत कंवरः डिप्टी स्पीकर साहब, मैं एक बात कहना चाहता हूं कि ब्रिगेडियर रण सिंह जी जो हमारे एग्रीकल्चार मिनिस्टर है उनका विचार है कि बीमा करने की स्कीम लागू की जाये। वे कदम बढा चुके है। उन्होने कहा है कि जो फसल ओले से तबाह हो जाती है उस ुसल का बीमा यिका जाये लेकिन मेरा सुझाव है कि जो भी फसल किसी भी प्रकोप के कारण तबाह होती है उन सब का बीमा होना चाहियै।

चौधरी हरस्वरूप बूरा (मेहम): डिप्टी स्पीकर साहब, आज जो रैजोल्यू ान हाउस में आया है यह बहुत पहले आना चाहिये था। आपको पता है कि सारे हरियाणा का दारोमदार कृशि

पर है। आज हमें खु ाी है कि हरियाणा के कृशि मंत्री किसान है उन्होने परसों ही सदन को वि वास दिलाया है कि बीमा होना चाहिये। आपको पता है कि यदि कोई कारखाना जल जाता है तो उसको पैसा मिल जाता है। किसी कार या ट्रक का यदि ऐक्सीडेन्ट हो जाता है तो उसको पैसा मिल जाता है लेकिन जो फसल बाढ के प्रकोप में या अन्य किसी कारण से तबाह हो जाती है उसके एवज मे किसानों को कोई पैसा नहीं मिलता है। अगर कुछ थोडा बहुत पैसा मिलता है तो उसका कोइ अच्छा असर नहीं पडता हैं आज हर किसान दो–तीन रूपये किल्ले के हिसाब से देने के लिये तैयार बैठे है। इसलिये सरकार को ऐसा प्रबन्ध करना चाहिये कि जब भी फसल ओले या बारसात से तबाह हो तो उसको पूरा पैसा दिया जाये। मैं इस रैलोल्यू ान की स्पोर्ट करता हूं। (विघन) डिप्टी स्पीकर साहब, जो हमारे बैकवर्ड भाई है उनका भी ख्याल किया जाये ।इन भाब्दों के साथ मैं इस रैजोल्यू ान की पूरजोर ताईद करता हूं।

श्री जगन नाथ (बवानी–खेडा–अनुसूचित जाति): डिप्टी स्पीकर साहब, जो यह प्रस्ताव ठाकरान साहब ने सदन के सामने पे ा किया है, मैं ही नहीं मेरा विचार यह है कि सारा सदन इसकी स्पोर्ट करेगा। इसकी मुखालफित तो कोई कर ही नहीं सकता। इसके अन्दर अग्नि से, पाले से, हेल स्टोर्म से, बाढ से यानि 4–5 चीजें दी गयी है। जिनसे यदि नुकसान हो तो किसान को कम्पनसे ान मिलना चाहिये। लेकिन मेरा सुझाव है कि इसमें

कातरे से खाई हुई फसल भी भाामिल होनी चाहिये। जब पार्टी मीटिंग हुई थी, उस वक्त भी मैनें यह कहा था। कुछ इलाके जो रेगिस्तानी है जैसे गुडगांव या भिवानी जिला के कुछ इलाके है, वहां पर ज्यादा बारि ा से भी फसल बिल्कुल नहीं है। इसलिये हाउस में इस बात के लिये भी आना चाहिये कि किसान का कम्पनसे ान मिलेगा। .....(व्यवधान एवं भाोर).....मैं यह चाहता हूं कि यह प्रस्ताव हाउस में पास हो। पिछली सरकार के समय में भी एक प्रस्ताव पे ा किया गया था लेकिन उस समय सिरे नहीं चढ सका। मैं यह चाहता हूं कि किसान की फसल का बीमा अव य होना चाहिये और इसके लिये हमें यह रैजोल्यू ान पास करना चाहिये।

चौधरी राजेन्द्र सिंह (बल्लभगढ़): डिप्टी स्पीकर साहब, चौधरी प्रताप सिंह ठाकरान ने जो एक महत्वपूर्ण रैजोल्यू ान सदन में पे ा किया है मैं उसका समर्थन करने के लिये खडा हुआ हूं । यह बहुत बडी सच्चाई है कि हमारा हरियाणा प्रदे ा हर साल बाढ़ से, ओलों से तथा ओर कई प्रकार की बीमारियों से ग्रस्त रहता है जिसकी वजह से किसानों की लाखों एकड भूमि में ुसल खराब हो जाती है। मैं इसमें ज्यादा न बोलते हुये अपने मुख्य मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि इस संबंध में हमारी सरकार सैंट्रल गवर्नमेंअ से फौरन बातचीत करें ओर काप इं योंरेस को लागू करे।

चौधरी रामकि ान (सफीदों): उपाध्यक्ष महोदय, जो रैजोल्यू ान हमारे माननीय सदस्य चौधरी प्रताप सिंह ठाकरान ने सदन के सामने रखा है, मैं इसका पुरजोर समर्थन करने के लिये खडा हुआ हूं। मैं मुख्य मंत्री से और इस महकमे के मंत्री ब्रिगेडियर रण सिंह जी से यह प्रार्थना करना चाहता हूं कि किसान की जो हालत है वह किसी से भी छिपी हुई नहीं है। जितना बुरा हाल किसान का होता है जब बाढ़ आती है या सूखा आता है या ओले पडते है और किसी का नहीं होतता। इसलिये इन हालात को देखते हुये किसान की फसल का बीमा होना अति आव यक है। मैं ज्यादा न कहते हुये सिर्फ इतनी ही प्रार्थना करूंगा कि किसान की फसल का बीमा होना अति आव यक है, इसलिये इसके जिये जरूरी कार्यवाही की जाये। धन्यवाद। (व्यवधान व भाोर)

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः आन ए प्वांयट आफ आर्डर सर। मेंरा प्वांयट आफ आर्डर यह है कि 5 मिनट कासमय बाकी है और रै ाली इसको स्वीप किया जा रहा है जैसे कि इसकी कोई इम्पोटैन्स ही नहीं है । इसलिये मै आपसे यह निवेदन करना चाहता हूं कि कम से कम आधे घंटे का समय बढा दिया जाये ताकि मैंबर्ज को बोलने का पूरा मौका मिले ओर तमाम मैंबर्ज इस पर अपने विचार रख सकें।

आवाजें: समय बढाने की कोई आव यकता नहीं है।

श्री भागी राम (ऐलनाबाद–अनुसूचित जाति): डिप्टी स्पीकर साहब, जो प्रस्ताव ठाकरान साहब ने सदन के सामने पे ा किया है, मैं उसका पूरजोर समर्थन करने के लिये खडा हुआ हूं। इसमें मेराएक सुझाव है।

श्री जय नारायण: आन ए पवांयट आफ आर्डर सर। डिप्टी स्पीकर साहब, यह रैजोल्यू ान तो यूनानीमसली पास हो जाना चाहिये। इसमें टाईम जयादा खर्च करने की जरूरत ही नहीं है।

श्री भागी राम: जब कभी फैक्टरी में एक क्विंटल भी नर्मा जल जाता है। तो उसका पूरा पैसा फैक्टरी वाले को मिल जाता है। जमीदार को चाहे उसकी सारी फसल बरबाद हो जाये, लेकिनउसको आज तक कुछ नहीं मिलता हैं मेरी सी0एम0 साहब से और ब्रिगेडियर साहब से यह प्रार्थना है कि उसको भी कुछ न कुछ अव य ही मिलना चाहिये। मैं यह चाहता हूं कि इस रैजोल्यू ान को जल्दी से जल्दी पास किया जाये।

चौधरी लाल सिंह: डिप्टी स्पीकर साहब, मैं इस बारे में एक बहुत ही जरूरी सुझाव देना चाहता हूं। वैसे तो मैं इस रैजोल्यू ान का समर्थन करता हूं लेकिन मैं यह चाहता हूं कि मेरे सुझाव को भी इसमें भाामिल कर लिया जाये। मेरा सुझाव यह है

कि इस रैजाल्यू ान में यह बात भी जोड ली जाये कि खेती में जो काम आने वाला जानवर बैल है, उसका भी बीमा होना चाहिये।

चौधरी रिजक राम (राई): डिप्टी स्पीकर साहब, मुझे बहुत ज्यादा खु ाी है कि हाउस विचार कर रहा हूं कि किसान को उसकी फसल का कमपनसे ान देने के लिये उसकी फसल का बीमा होना चाहिय। मुझे इस बात की और जयादा खु ाी है कि मंत्री जी पहले ही इस बारे में सोच विचार कर रहे है। लेकिन एक बात मैं अर्ज करना चाहता हूं कि सन 1962–63 में सरदार प्रताप सिंह कैरों के समय में सैंट्रल गवर्नमेंट ने क्रेप इं योरैंस स्कीम लागू करनी चाही थी लेकिन उस वक्त लाईफ इं योंरैस कारपोरे ान ने उस में पार नहीं पडने दिया था। इसलिये मेरा आपसे सुझाव यह है कि आप इस के बारे में कोई न कोई एक्सपर्ट कमेटी बना दे। ताकि कोई अड़चनइ स सम्बन्ध में न आये, नही ंतो लाईफ इं योरैंस कारपोरे ान इस बात को मानने के लिये तैयार नहीं होगी। यदि कोई अड़चन इस बारे में आती है तो वह कमेटी उस अड़चन को दूर करने का प्रयत्न करे।

कृशि मंत्री (ब्रिगेडियर रण सिंह): डिप्टी स्पीकर साहब, जो रैजोलयू ान मेरे भाई प्रता सिंह ठाकरान ने हाउस के सामने रखा है मैने भी इसका स्वागत किया है। 3–4 दिन हुये मैने सब साहेबान को यह बताया था कि हरियाणा सरकार और खासतौर पर हमारे मुख्यमंत्री जी ओर मैं, इस प्रौब्लम को बहुत ज्यादा इम्पौटेंन्स दे रहे है। हम यह समझते है कि अगर हमारी सरकार

यह काम कर पायी, जैसे कि आप जानते है कि हमारे अन्दर कितनी हिम्मत है, मुझे पूरा यकीन है कि हम इसको करके दिखायेगें, तो हम एक निराली चीज किसान के लिये कर जायेगें। तो मैं आपको यह अ योरेंस देता हूं कि चाहे कुछ भी हो, चाहे हमें इसके लिये कुछ भी करना पडे, हम इस स्कीम को पूरा करेगें और इसे सक्सैसफुल करेगे। इसके बारे में आपको यह जानकर खु ाी होगी कि कल ही मेरी मुख्य मंत्री जी से बात हो रही थी तो इनहोने यह कहा कि यह स्कीम तो बहुत अच्छी है, चाहे कुछ भी करो, इसे पार करना चाहिये। इन्होने यह भी कहा कि पैम्लैटस बनाओ और जनता में बांटो ताकि जनता को यह मालूम हो सके कि हम उनके लिये क्या करने जा रहे है । इसके अलावा कल को सै ान खत्म हो रहा है। हम सारे लोग आने–अपने हल्कों में जायेगें। वहां पर हम लोगों को बतायें और उन्हे तैयार भी करैं। मैं यह चाहता हूं कि आप लोग लोगों को इसके लिये तैयार करने के साथ–2 हमें अपने सुझाव भी भेजें। मैने खुद कई मीटिगों में इस बारे मे बात की है। मैं पिछले दिनों अपने भाई भागीराम जी के हल्के ऐलनाबाद में गया हुआ था। वहां परमैने जमीदारां से बात की । उन्होने यह कहा कि चाहे जिस तरह से भी हो, इसे पूरा कर दो, हम जितना भी प्रीमीयम होगा, देने के लिये तैयार है, हमारी तो जान ही निकल जाती है जब बादल होते है। जब लोगों में इस तरह का उत्साह होगा तो यह स्कीम बडी आसानी से लागू हो सकेगी। एकबात चौधरी रिजक राम जी ने कही। मै उनहें यह बताना चाहता हूं कि हम दो मीटिगें तो कर चुके है। पिछली

मीटिग तो तकरीबन आज से एक हफता पहले हूई थी जिसमें जी0आई0सी0, प्लानिंग कमी ान गवर्नमेंट आफ इंडिया ओर दूसरे सब लोग वहां पर आये थे,। जहां तक चौधरी रिजक राम जी के सुझाव का सम्बनध है, हमनें पहले ही एक स्पै ाल कमेटी बना दी है ओर उसने अपना काम करना भी भुरू कर दिया है। एक भाई ने यह कहा था कि एक दो करोड़ रूपया लगाने से काम चल जायेगा लेकिन मैं हाउस को यह बता देना चाहता हूं कि सिर्फ एक या देा करोड रूपये से काम नहीं चलेगा। कम से कम इसके लिये 100 करोड रूपये का फंड कियेट करना पडेगा तब जाकर उससे 10–12 करोड रूपये के ब्याज की आमदनी होगी। 10–12 करोड रूपये की प्रीमीयम जायेगा तो 24 करोड रूपया जी0आई0सी0 भी देगी। यहां पर चौधरी हरस्वरूप बूरा या भाायद संत कंवर जी ने यह कहा कि हम तो 800 या 1000 रूपये तक प्रीमीयम देने के लिये तेयार है। अगर ऐसी बात है तो ठीक है। इन अल्फाज के साथ मैं ठकरान साहब से यह दरख्वास्त करूंगा कि वे इस रैजोल्यू ान को विदड्रा कर लें।

चौधरी प्रताप सिंह ठाकरानः डिप्टी स्पीकर साहब मंत्री महोदय के आ वासन कोदेखते हूये मैं अपना रैजोल्यू ान वापिस लेता हूं।

श्री उपाध्यक्षः क्या माननीय सदस्य को अपना रैजोल्यू ान वापिस लेने की अनूमति है?

आवाजें: जी हां।

प्रस्ताव सदन की अनुमति से वापिस लिया गया

श्री उपाध्यक्ष: अब सदन कल सुब 9.30 बजे तक के लिये स्थगित किया जाता हैं

13.00 बजे

(The Sabha then *adjourned till 9.30 a.m. on Friday, the 30th March, 1979)